दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-111 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 07 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मप्र में प्री-मानसून का असर शाजापुर में ओलावृष्टि

आंधी-बारिश का अलर्ट, कई जिलों में तेज हवाओं और बारिश से जनजीवन प्रभावित

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि देखने को मिली। शाजापुर में ओले गिरे, जबकि नर्मदापुरम, सीहोर, देवास, इटारसी, सिवनी मालवा और खरगोन समेत कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़कर गिर गए। मौसम विभाग ने भोपाल और इंदौर सहित 21 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है।मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई हिस्सों में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। अगले 24 घंटों के दौरान सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, नरसिंहपुर, इंदौर, देवास, सीहोर, नर्मदापुरम, शाजापुर, जबलपुर,

मंडला, डिंडौरी, सिवनी और बालाघाट में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। राजधानी भोपाल में शनिवार दोपहर के बाद मौसम अचानक बदल गया और तेज हवा के साथ बारिश हुई।मौसम विभाग ने गुना, अशोकनगर, विदिशा, सीहोर, देवास, हरदा और बैतूल जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बीते 24 घंटों में सतना में सबसे तेज 59 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। इसके अलावा सीहोर में 48, आगर-मालवा में 44, धार और गुना में 43 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार दर्ज की गई। सागर और खंडवा में 41, बैतूल में 39, भोपाल में 37, विदिशा, नर्मदापुरम और अशोकनगर में 35 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। उज्जैन, नीमच, शिवपुरी और बड़वानी में भी तेज हवाओं का असर देखने को मिला।सीहोर में शनिवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ली और तेज बारिश शुरू हो गई। दिनभर की गर्मी और उमस के बाद हुई बारिश से लोगों को राहत मिली। ठंडी हवाओं से मौसम सुहावना हो गया, हालांकि कई इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी रही।

हिमाचल में भूकंप के तीन झटके, कई मकान क्षतिग्रस्त; पालमपुर में अस्पताल की छत गिरी

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में भूकंप के कारण रातभर लोग दहशत में रहे हैं। रात 10.04 बजे हुआ 5 की तीव्रता के भूकंप के बाद दो बार फिर धरती हिली। 11.04 बजे 2.8 और 11.52 बजे 3 तीव्रता का भूकंप आया। तीनों का केंद्र चंबा जिले में ही रहा। इस कारण लोग रातभर सो नहीं पाए। पहला झटका काफी तेज था, जिस कारण कई जगह नुकसान भी हुआ है। जिला कांगड़ा के धर्मशाला में कई जगह घरों में दरारें आई हैं। यहां होटलों में ठहरे पर्यटक भी सहम कर कमरों से बाहर आ गए। होटलों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

अस्पताल भवन को नुकसान

पालमपुर के सिविल अस्पताल में रात को आए भूकंप से पुराने भवन की दूसरी मंजिल की छत को नुकसान हुआ। इस दौरान गनीमत रही कि मरीज सुरक्षित हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर की आत्मकथा की एक प्रति लिए हुए पहुंचे।

ट्राले-पिकअप में टक्कर, 8 की मौत, अस्थियां विसर्जित करने जा रहा था परिवार

चंडीगढ़,(ए.)। पंजाब के फाजिल्का में शनिवार को हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। फिरोजपुर हाईवे पर सुबह साढ़े 5 बजे पिकअप और ट्राले की आमने-सामने टक्कर हो गई थी। हादसे में 9 लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए थे। गंभीर घायलों को इलाज के लिए फरीदकोट रेफर किया गया। मृतकों में पांच महिलाएं और एक दस साल का बच्चा भी शामिल है। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी फिरोजपुर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जलालाबाद के गांव मल्कज़ादे का परिवार अपने मृतक परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए डेरा ब्यास जा रहा था। पिकअप में परिवार और रिश्तेदारों समेत 25 से 30 लोग सवार थे। जब गाड़ी हुसैनशाह के पास पहुंची तो सामने से आ रहे ट्राले से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप बुरी तरह पिचक गई और पलटकर सड़क किनारे जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई।

म.प्र. बना निवेश एवं निर्यात का नया केंद्र, लैटिन अमेरिकी देशों में बढ़ रही 'मेड इन एमपी' उत्पादों की मांग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 के डिजिटल प्लेटफार्म और वेबसाइट का किया शुभारंभ

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश तेजी से भारत के नए वैश्विक निवेश एवं निर्यात केंद्र के रूप में उभर रहा है। हमारा मध्यप्रदेश अब वैश्विक व्यापार जगत में भी अपनी सशक्त पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत तथा लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों के बीच बढ़ती परस्पर आर्थिक साझेदारी में मध्यप्रदेश भी अपनी अधिकतम क्षमताओं के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश असीम अवसरों की धरती है। प्रदेश की स्थिर और पारदर्शी नीतियां निवेश और उद्योग फ्रेंडली हैं। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, ऑटोमोबाइल, फार्मा इंडस्ट्री, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, डिफेंस सेक्टर, और टेक्नॉलजी के क्षेत्र में हम तेजी से प्रगति कर रहे हैं। हमारे पास 1.25 लाख एकड़ से अधिक का रेडी-टू-यूज़ लैंड बैंक उपलब्ध है। आज मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी का सबसे बड़ा

हब बन चुका है। प्रदेश में 5 लाख किमी से अधिक के सुदृढ़ सड़क नेटवर्क और अत्याधुनिक रेल व हवाई कनेक्टिविटी ने यातायात को सुगम बना दिया है।

अगले 5 सालों में हम 6 प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोर विकसित करेंगे, जो मालवा से बुंदेलखंड और निमाड़ से विंध्य तक रोड़ कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लैटिन-अमेरिकी एवं कैरेबियन देशों के व्यापार प्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश में निवेश, उत्पादन और नवाचार के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि हम आपके साथ एक ठोस और दीर्घकालिक साझेदारी के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के मध्य में होने के कारण व्यापार-व्यवसाय के लिए सबसे अनुकूल स्थान है। राज्य में कानून- व्यवस्था की कोई परेशानी नहीं है। यहां औद्योगिक कुशल श्रमिकों की कोई कमी नहीं है। मध्यप्रदेश सबको अपनाने वाला राज्य है, जो एक बार आता है, यहीं का होकर रह जाता है। मध्यप्रदेश में खुले दिल से निवेश करें, यहां निवेश करना बड़े लाभ का सौदा है।

तीन बच्चों समेत 4 लोगों की मौत, रीवा सिलेंडर ब्लास्ट से दहला इलाका

रीवा, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहाँ के पैपखरा गांव में गैस सिलेंडर से हुए रिसाव के बाद भड़की आग की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस भीषण अग्नितांडव में तीन मासूम बच्चे और उनकी बुजुर्ग दादी बुरी तरह झुलस गए थे। सभी को आनन-फानन में अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद इनमें से किसी को भी बचाया नहीं जा सका। एक हंसते-खेलते परिवार के चार सदस्यों की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

कमरे में घुसे बछड़े की वजह से हुआ हादसा

यह हृदयविदारक घटना चोरहटा थाना क्षेत्र के पैपखरा गांव की है। मिली जानकारी के मुताबिक, हादसे वाले दिन परिवार के लोग घर के आंगन में खाना बनाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान एक छोटा बछड़ा अचानक उछलकूद करते हुए उस कमरे के भीतर घुस गया जहाँ रसोई गैस सिलेंडर रखा हुआ था।

बछड़े के टकराने और उसकी उछलकूद की वजह से सिलेंडर जमीन पर गिर गया, जिससे उसके रेगुलेटर या पाइप से तेजी से गैस का रिसाव (लीक) होने लगा। जब तक परिवार के लोग कुछ समझ पाते, हवा में फैली गैस ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते पूरा कमरा आग के शोलों में तब्दील हो गया।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कमरे के पास मौजूद बुजुर्ग महिला और तीन बच्चे उसकी चपेट में आ गए। चारों को गंभीर हालत में रीवा के संजय गांधी अस्पताल की बर्न यूनिट (झुलसे मरीजों का विशेष वार्ड) में दाखिल कराया गया था। अस्पताल में चारों मासूम और बुजुर्ग महिला ने तड़पते हुए एक-एक कर दम तोड़ दिया।

1 जून की रात: इलाज के दौरान सबसे पहले दो मासूम बच्चों, यशोनंदन और दिव्यांश शुक्ला ने दम तोड़ा।

दिल्ली और सिलीगुड़ी के बीच दौड़ेगी बुलेट ट्रेन, पटना समेत इन शहरों को जोड़ेगी: वैष्णव

कोलकाता(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल में बुलेट ट्रेन लाने का वादा किया है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य सचिवालय नबन्ना में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के साथ बैठक के दौरान यह जानकारी दी. रेल मंत्री ने बताया कि 42 वर्षों में कोलकाता मेट्रो नेटवर्क का केवल 28 किलोमीटर हिस्सा ही पूरा हो पाया था, जबकि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से 45 किलोमीटर मेट्रो लाइनें जोड़ी गई हैं।

रेल मंत्री ने शनिवार को कहा कि राज्य के लिए बुलेट ट्रेन शुरू करने का फैसला किया गया है. यह ट्रेन दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी और पटना होते हुए सिलीगुड़ी को जोड़ेगी. इस सफर में सिर्फ छह घंटे लगेंगे और यह आरामदायक होगा. अगले पांच सालों में कोलकाता मेट्रो के लिए 60 नई पीढ़ी की ट्रेनें शुरू की जाएंगी और उम्मीद है कि डबल-इंजन सरकार के तहत पश्चिम बंगाल में रेलवे प्रोजेक्ट्स को नई रफ्तार मिलेगी।

अब अखबार में परोसा खाना तो होगी कार्रवाई, FSSAI ने देश भर के फूड वेंडर्स के लिए जारी की सख्त चेतावनी

मुंबई (ए.)। अगर आप भी सड़क किनारे ठेले या फूड स्टॉल पर अखबार में लिपटा हुआ गरमा-गरम वड़ा-पाव, समोसा, कचौड़ी या चाट बड़े चाव से खाते हैं, तो अब आपको अपनी यह आदत तुरंत बदलनी होगी। आपकी यह छोटी सी लापरवाही आपको किसी गंभीर

बीमारी का शिकार बना सकती है। इस मामले पर बड़ा संज्ञान लेते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने देश भर में सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। FSSAI ने देश के सभी खाद्य विक्रेताओं, रेस्तरां मालिकों, स्ट्रीट फूड वेंडर्स और फूड बिजनेस ऑपरेटरों के लिए एक सख्त गाइडलाइन जारी की है, जिसके तहत खाने-पीने की चीजों को अखबार में पैक करने या उसमें परोसने पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरह रोक लगा दी गई है। FSSAI का यह देशव्यापी सख्त फैसला हाल ही में मुंबई में हुई एक बड़ी और औचक कार्रवाई के बाद सामने आया है। दरअसल, मुंबई के एक बेहद लोकप्रिय वड़ा-पाव विक्रेता को खुलेआम ग्राहकों को अखबार में खाना परोसते और उसी में पार्सल पैक करते हुए पकड़ा गया था।

खान सर ने दायर की जमानत याचिका, वकील ने आत्मसमर्पण करने की खबरों को गलत बताया

पटना,(आरएनएस)। बिहार के प्रसिद्ध शिक्षक और खान ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक फैजल खान (खान सर) ने कोचिंग संस्थान में हुई हिंसा और कथित गोलीबारी के मामले में जमानत याचिका दायर की है। उनके वकील ने कहा कि वे आत्मसमर्पण नहीं करेंगे। इससे पहले खबर आई थी कि खान सर आत्मसमर्पण करने जा रहे हैं। इस मामले में खान सर के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद से ही पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी।

दरअसल, 2 जून की रात 15-20 लोगों ने पटना स्थित खान सर के कोचिंग संस्थान पर हमला कर दिया था। हमलावरों ने वहां जमकर तोड़फोड़ की और पथराव भी किया। खान सर ने आरोप लगाया था कि उनके पास के कोचिंग संचालक ने यह हमला करवाया है। इसके बाद पुलिस ने ज्ञान बिंदु कोचिंग संचालक रौशन आनंद, अभिषेक कुमार और गौरव कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।इस दौरान एक वीडियो सामने आया, जिसमें खान सर के 2 सुरक्षाकर्मी गोलीबारी करते दिख रहे थे।

प्रशासन आपके द्वार अभियानः कलेक्टर के नेतृत्व में इस सप्ताह सिवनी मालवा की ग्राम पंचायत चौतलाय पहुंचा अधिकारियों का दल

रात्रि चौपाल बनी समाधान चौपाल, ग्राम वासियों की समस्याओं पर हुई त्वरित कार्रवाई

तालाब से ही ग्राम की पहचान, इनका संरक्षण आवश्यक, तालाबों से हटाया जाए अतिक्रमण

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सोमेश मिश्रा के नेतृत्व में जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नागरिक सेवाओं में सुधार के लिए सतत रूप से नवाचार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को जिला प्रशासन के प्रशासन आपके द्वार अभियान के तहत सिवनी मालवा जनपद की ग्राम पंचायत चौतलाय में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा वृक्षारोपण कर की गई। इसके पश्चात एडिशनल एसपी, एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। रात्री चौपाल कार्यक्रम में डीएफओ गौरव शर्मा, एडिशनल एसपी अभिषेक राजन, एसडीएम सिवनी मालवा विजय राय, सरपंच ग्राम पंचायत चौतलाय, उपसंचालक कृषि रविकांत सिंह, उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉ. शैलेंद्र नेमा, जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम, उपसंचालक उद्यानिकी विभाग श्रीमती रीता उईके, जिला प्रबंधक उद्योग विभाग, श्रम पदाधिकारी श्रीमती वर्षा इरपाचे, सीएमएचओ डॉ. नरसिंह गहलोत, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग विवेक नागवंशी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चौपाल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और उनकी समस्याएं सुनीं। चौपाल के दौरान कृषि विभाग द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल विविधीकरण, सबमिशन ऑफ़ ऑयलसीड, ई विकास पोर्टल, बलराम तालाब, पर ड्रॉप मोर क्रॉप जैसी अन्य कृषक हितैषी योजनाओं से ग्राम वासियों तथा उपस्थित कृषकगणों को अवगत कराया। उपसंचालक कृषि द्वारा जानकारी दी गई की सभी ग्रामीण मृदा स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य करवाएं यह पूर्णता निशुल्क है तथा संबंधित ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी इस संबंध में हर स्तर पर सहायता उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने बताया कि अब किसान लाइन में लगकर नहीं अपितु घर बैठे ही ई विकास पोर्टल के माध्यम ई टोकन लेकर खाद प्राप्त कर सकते हैं।

1912 डायल कर बुलाऐं वेटनरी मोबाइल वैन, एक सप्ताह में तैयार की जायेगी दुग्ध एकत्रीकरण सोसायटी

पशुपालन विभाग की योजनाओं के संबंध में उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉक्टर शैलेंद्र नेमा ने ग्राम वासियों को अवगत कराते हुए बताया कि रात्रि चौपाल के दौरान प्राप्त आवेदन के आधार पर परीक्षण करने के उपरांत ग्राम में शीघ्र ही दूध विक्रय के लिए एक सप्ताह के भीतर सोसायटी खोली जाएगी जिससे अब पशुपालक किसानों को दूध के विक्रय के लिए लंबा सफर तय नहीं करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त उन्होंने अन्य योजनाएं जो कि पशुपालन विभाग द्वारा संचालित हैं की जानकारी देते हुए बताया कि पशुओं का टीकाकरण भी अत्यंत आवश्यक है इसलिए अपने पशुओं का टीकाकरण अवश्य करवाया जाए। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा गंभीर रूप से बीमार पशुओं के उपचार हेतु मोबाइल वेटनरी वैन की भी व्यवस्था की गई है जो की घर पर पहुंच कर पशुओं को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराती है तथा इलाज के साथ-साथ दवा का वितरण भी मोबाइल वैन के माध्यम से किया जाता है एवं इसमें पशुपालक किसानों से साधारण शुल्क के रूप में डेढ़ सौ रुपए की राशि भी प्राप्त कर उन्हें रसीद प्रदान की जाती है।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध हथियारों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

विगत 15 दिनों में कुल 87 अवैध हथियार, 23 धारदार हथियार, कारतूस एवं हथियार निर्माण उपकरण जब्त

भोपाल (ए.)। प्रदेश में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा अवैध हथियारों के नेटवर्क पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने हेतु मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत 15 दिनों में विभिन्न जिलों की पुलिस टीमों द्वारा अवैध हथियार निर्माण, तस्करी, विक्रय एवं उपयोग में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए 87 अवैध हथियार, 23 धारदार हथियार एवं हथियार निर्माण उपकरण जब्त किए गए हैं।

खरगोन

थाना भीकनगाँव एवं चौकी बमनाला पुलिस द्वारा अलग-अलग मामलों में अवैध हथियारों की तस्करी के विरूद्ध कार्रवाई कर 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 अवैध देशी पिस्टल, 01 देशी कट्टा, मोबाइल फोन एवं हथियार परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में पंजाब, पश्चिम बंगाल एवं मध्यप्रदेश से जुड़े खरीददार एवं बिचौलिये शामिल हैं। इसी प्रकार थाना गोगावां एवं थाना सनावद पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम सिगनूर में संचालित अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्री पर दबिश देकर 05 सिकलीगर आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से 09 हस्तनिर्मित देशी पिस्टल, 02 देशी कट्टे, 02 अधबनी पिस्टल एवं बड़ी मात्रा में हथियार निर्माण उपकरण जप्त किए। एक अन्य कार्यवाही में थाना गोगावा, थाना सनावद और थाना जैतपुरा पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध फायर आर्म्स तस्करी के मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 55 हजार रुपये के इनामी आरोपी एवं उसके साथी को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर जंगल में छिपाकर रखे गए 08 देशी पिस्टल एवं 03 देशी कट्टे, कुल लगभग 2.45 लाख रुपये मूल्य के अवैध हथियार बरामद किए हैं। उक्त तीनो कार्रवाइयों में खरगोन पुलिस द्वारा कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर 35 अवैध फायर आर्म्स (29 देशी पिस्टल एवं 06 देशी कट्टे) तथा बड़ी मात्रा में हथियार निर्माण सामग्री जप्त की गई है।

मुरैना

मुरैना जिले में थाना कोतवाली, पोरसा, अंबाह, देवगढ़, सबलगढ़ एवं सिहोनिया पुलिस द्वारा फायरिंग, हत्या के प्रयास, चोरी एवं अन्य गंभीर अपराधों के मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। विभिन्न प्रकरणों में पुलिस ने कुल 15 अवैध हथियार (देशी कट्टे एवं पिस्टल), 27 जिंदा राउंड, अधिया, खाली खोखे, मोटरसाइकिल एवं अन्य सामग्री जब्त कर आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की।

धार

पुलिस द्वारा मनावर क्षेत्र में यूपी के गैंगस्टर एवं सिकलीगर को गिरफ्तार कर 04 देशी पिस्टल एवं हथियार निर्माण उपकरण जब्त किए गए। वहीं वाहन चेकिंग के दौरान आरोपी से देशी पिस्टल, मैग्जीन, जिंदा राउंड एवं स्कूटी जब्त की गई।

दतिया

थाना उनाव पुलिस द्वारा अवैध हथियारों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 03 कट्टे, 01 पिस्टल, जिंदा राउंड एवं मोटरसाइकिल सहित आरोपी को गिरफ्तार किया। साथ ही अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश कर 04 कट्टे, अधबने हथियार एवं निर्माण सामग्री जब्त की है।

गुना

पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए उत्तरप्रदेश के हथियार तस्कर को गिरफ्तार कर 03 देशी कट्टे एवं जिंदा राउंड जब्त किए। वहीं कॉम्बिंग गश्त के दौरान डकैती की योजना बना रहे 05 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर देशी कट्टा, जिंदा राउंड एवं अन्य उपकरण जब्त किए।

नीमच

पुलिस ने अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश कर 03 देशी पिस्टल, जिंदा कारतूस, ग्राइंडर मशीन, बंदूक की नाल, वेल्डिंग मशीन एवं अन्य हथियार निर्माण उपकरण जप्त किए।

भोपाल

पुलिस द्वारा थाना तलैया क्षेत्र में विधि विरूध्द बालक को पुलिस अभिरक्षा में लेकर उसके कब्जे से 15 तलवार एवं 08 छुरे बरामद किए गए।

ग्वालियर

पुलिस ने सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ फोटो एवं स्टेटस डालने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर एक 315 बोर का देशी कट्टा जब्त किया। इसी प्रकार थाना आरोन में दो 315 बोर के देसी कट्टे एवं थाना थाटीपुर में 1 अवैध देसी कट्टा जप्त किया है।

वहीं एक अन्य कार्रवाई में चोरी के बिजली तार ले जा रहे आरोपियों से एक देशी कट्टा, जिंदा राउंड, लगभग 150 किलो बिजली तार एवं वाहन जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार इंदौर में 01 पिस्टल, शिवपुरी में 315 बोर के 02 देशी कट्टे एवं 07 कारतूस, टीकमगढ़ में 12 बोर का 01 एवं 314 बोर का 01 देशी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस, अलीराजपुर में 12 बोर का 01 देशी कट्टा एवं कारतूस तथा छतरपुर में 315 बोर का 01 देशी कट्टा, 01 अवैध बंदूक एवं कारतूस ,बुरहानपुर में अवैध हस्त निर्मित 02 देशी पिस्टल एवं उज्जैन में अवैध 02 देशी पिस्टल जब्त की है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने, निर्माण करने एवं आपराधिक गतिविधियों में उपयोग करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार कठोर एवं निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

भाजपा घोषित उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल एवं तरुण चुग ने भरा नामांकन पत्र

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए रिक्त होने वाले तीन स्थानों की पूर्ति हेतु द्विवार्षिक निर्वाचन के लिए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों द्वारा अपने नामांकन पत्र दाखिल किए गए। रजनीश अग्रवाल एवं तरुण चुग ने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त रिटर्निंग ऑफिसर अरविंद शर्मा के समक्ष अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

ओमान, यमन, यूएई, कतर, सउदी अरब में मध्यप्रदेश के गेहूँ की बढ़ी साख

देश के गेहूं निर्यात में म.प्र. का योगदान 40 प्रतिशत

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं के परिणामस्वरूप इस साल गेहूँ उत्पादन 365.11 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। उत्पादकता बढ़कर 3780 किलो प्रति हैक्टेयर हो गई है। मध्यप्रदेश गेंहू प्रदेश बन गया है। देश के कुल गेहूँ उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान 18 प्रतिशत है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मध्यप्रदेश के गेंहूं की मांग लगातार बनी हुई है।

प्राकृतिक मिठास के कारण शरबती और डयूरम गेहूँ की मांग जर्मनी, अमेरिका, इटली, यूके, दुबई, साउथ अफ्रीका जैसे देशों में बनी हुई है।भारत से विदेशों को निर्यात किये जाने वाले गेहूँ में मध्यप्रदेश का योगदान 35 से 40 प्रतिशत होता है। प्रदेश के गेहूँ को ओमान, यमन, यूएई, साउथ कोरिया, कतर, बांग्लादेश, सउदी अरब, मलेशिया, साउथ अफ्रीका और इंडोनेशिया में पसंद किया जा रहा है। मध्यप्रदेश का गेहूँ ब्रेड, बिस्किट और पास्ता के लिये सर्वाधिक उपयुक्त है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा गेहूँ उत्पादक किसानों के हित में नई योजनाएं बनाने और समय पर मदद करने की रणनीति के फलस्वरूप मध्यप्रदेश ने परंपरागत गेहूँ उत्पादक राज्यों की बराबरी कर ली है। वर्ष 2004-05 में सिर्फ 42 लाख हैक्टेयर में गेहूँ होता था, जो आज बढकर 96.58 लाख हैक्टेयर हो गया है।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेलवे की बड़ी सौगात

- भोपाल मंडल के आठ स्टेशनों पर हाई लेवल प्लेटफार्म बनेंगे

भोपाल (ए.)। भोपाल रेल मंडल के इटारसी-बीना रेलखंड में सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। इस रेलखंड के आठ स्टेशनों पर प्लेटफार्म की ऊंचाई बढ़ाने का काम किया जाएगा। इसके लिए रेलवे करीब 26.78 करोड़ रुपए खर्च करेगा। इस काम का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को ट्रेन में चढने् और उतरने में होने वाली दिक्कतों को कम करना और सफर को अधिक सुरक्षित बनाना है। रेलवे ने इस काम को पूरा करने के लिए 18 महीने की समय सीमा तय की है। जानकारी के अनुसार ओबेदुल्लागंज स्टेशन पर एक प्लेटफार्म, मिसरोद में तीन प्लेटफार्म, सुखी सेवनिया में दो, दीवानगंज में दो, सलामतपुर में दो, सुमेर में दो, गुलाबगंज में एक और पबई स्टेशन पर दो प्लेटफार्म को हाई लेवल बनाया जाएगा। इन स्टेशनों पर रोजाना हजारों यात्री सफर करते हैं। कई जगह प्लेटफार्म की ऊंचाई ट्रेन के दरवाजे के मुकाबले कम होने के कारण यात्रियों को चढने् और उतरने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और दिव्यांग यात्रियों के लिए यह समस्या और अधिक बढ़ जाती है।

ट्रेन में चढ़ना-उतरना होगा आसान

वर्तमान में कई छोटे और मध्यम श्रेणी के स्टेशनों पर प्लेटफार्म अपेक्षाकृत नीचे हैं। ऐसे में यात्रियों को ट्रेन में चढ़ते समय एक बड़ा कदम ऊपर रखना पड़ता है। कई बार भारी सामान होने पर यह काम और मुश्किल हो जाता है। प्लेटफार्म ऊंचे होने के बाद ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच ऊंचाई का अंतर काफी कम हो जाएगा। इससे यात्रियों को आसानी से ट्रेन में प्रवेश करने और बाहर निकलने में मदद मिलेगी।

स्टेशन सुविधाओं में भी होगा सुधार

प्लेटफार्म ऊंचे करने के दौरान कई जगहों पर अन्य जरूरी सुधार कार्य भी किए जा सकते हैं। इससे स्टेशनों की समग्र व्यवस्था बेहतर होगी। रेलवे लगातार यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहा है और यह योजना भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कृषि, उद्यानिकी और सहकारिता के संयुक्त प्रयासों से किसानों को दें बेहतर सुविधाएं

भोपाल (निप्र.)। कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल ने खरीफ की आगामी फसलों के संबंध में किसानों की आय बढ़ाने के लिए बाजार की मांग आधारित फसलों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कृषि, सहकारिता और उद्यानिकी विभाग की योजनाओं को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। इन सामूहिक प्रयासों से किसानों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अच्छी फसल मार्केट में उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और किसानों की आय भी बढ़गी। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भी सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए। श्री बर्णवाल शनिवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय उज्जैन के सभागार में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव सहकारिता डी पी आहूजा, सचिव किसान कल्याण निशांत बरबडे, आयुक्त उज्जैन आशीष सिंह, सचिव उद्यानिकी जान किन्सली ए आर, आयुक्त सह संचालक उद्यानिकी अरविंद कुमार दुबे, प्रबन्ध संचालक सहकारिता अभिजित अग्रवाल, पंजीयक सहकारिता मनोज पुष्प, प्रबन्ध संचालक मंडी बोर्ड कुमार पुरुषोत्तम और संभाग के जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के सीईओ के साथ ही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

भक्ति नृत्य के साथ सिद्ध चक्र विधान में उमड़ा सैलाब मुनि संभव सागर महाराज के सानिध्य में चल रहा भव्य अनुष्ठान

भोपाल (निप्र.)। भोपाल में चल रहे श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इंद्र-इंद्राणियों द्वारा भक्ति नृत्य प्रस्तुत करते हुए भगवान सिद्ध की आराधना की गई और 1024 अर्घ अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई। पूरे आयोजन में भक्तिभाव और आध्यात्मिक ऊर्जा का माहौल बना रहा। विधान के प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि यह अनुष्ठान कई विशेषताओं से युक्त है। आयोजनकर्ता ऋषभ मंजू जैन के परिवार के अधिकांश सदस्य संयमित जीवन शैली का पालन करते हैं और कई सदस्य प्रतिमाधारी हैं, जो इस आयोजन को और अधिक आध्यात्मिक महत्व प्रदान करता है। आचार्य विद्यासमय सागर महाराज के शिष्य मुनि संभव सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में चौक धर्मशाला में यह आयोजन संपन्न हो रहा है। सुबह भगवान जिनेंद्र के अभिषेक के साथ अनुष्ठान की शुरुआत होती है और दिनभर विभिन्न धार्मिक क्रियाएं संपन्न की जाती हैं। अविनाश भैया के निर्देशन में विधान की प्रमुख विधियां संपन्न हुईं। इस अवसर पर पुण्यार्जक परिवार श्रीमती पांचू बाई, सुहागमल जैन एवं ऋषभ मंजू जैन ने विधान मंडल पर प्रमुख क्रिया करते हुए श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की।

ग्लोबल स्किल पार्क के सामने बड़ी कार्रवाई, 70 दुकानें और 42 झुग्गियां हटाईं

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रायसेन रोड के चौड़ीकरण और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन ने शनिवार को बड़ा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान पिपलानी चमारन स्थित लेबर कॉलोनी झुग्गी बस्ती और ग्लोबल स्किल पार्क के सामने से 70 दुकानें तथा 42 झुग्गियां हटाई गईं। प्रशासन के अनुसार अतिक्रमणमुक्त कराई गई जमीन का बाजार मूल्य 40 करोड़ रुपए से अधिक है। कार्रवाई एसडीएम भुवन गुप्ता और तहसीलदार सौरभ वर्मा की मौजूदगी में प्रशासन, पुलिस और नगर निगम के संयुक्त अमले ने की। सुबह शुरू हुई कार्रवाई दोपहर तक चली। प्रशासन का कहना है कि संबंधित लोगों ने पीडब्ल्यूडी सड़क की भूमि पर लंबे समय से अवैध कब्जा कर रखा था, जिससे सड़क चौड़ीकरण परियोजना प्रभावित हो रही थी।

प्रशासन के मुताबिक लगभग 210 मीटर लंबाई में सड़क के दोनों ओर करीब 4 हजार वर्गमीटर (लगभग 43 हजार वर्गफीट) सरकारी जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई गई। इस भूमि की अनुमानित बाजार कीमत करीब 40 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसी स्थान पर अब पीडब्ल्यूडी द्वारा फोरलेन सड़क और पुल का निर्माण कराया जाएगा।अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का स्थानीय लोगों और कांग्रेस नेताओं ने विरोध किया। कांग्रेस का आरोप है कि प्रभावित परिवारों और दुकानदारों को पर्याप्त समय और वैकल्पिक व्यवस्था दिए बिना कार्रवाई की गई। श्रमिक नेता दीपक गुप्ता ने कहा कि विकास कार्यों के नाम पर गरीब और मेहनतकश लोगों के हितों की अनदेखी की जा रही है। उनका आरोप है कि बरसात के मौसम में लोगों को बेघर और बेरोजगार करना संवेदनहीनता को दर्शाता है। स्थानीय पार्षद जीत राजपूत ने कहा कि यदि सड़क चौड़ीकरण आवश्यक था तो प्रभावित परिवारों और व्यापारियों को पहले उचित नोटिस देकर पुनर्वास एवं वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जानी चाहिए थी। उन्होंने प्रशासन से प्रभावित लोगों के पुनर्वास और मुआवजे की मांग की है।

मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी में परिवहन उप निरीक्षकों का बुनियादी प्रशिक्षण संपन्न

21 प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्राप्त किया आधुनिक पुलिसिंग एवं यातायात प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल में आयोजित तीन माह अवधि के परिवहन उप निरीक्षक बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) आदर्श कटियार के मुख्य आतिथ्य में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम 09 मार्च से 05 जून तक संचालित किया गया, जिसमें 21 परिवहन उप निरीक्षकों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) आदर्श कटियार ने प्रशिक्षु अधिकारियों को पुलिस सेवा में उच्च नैतिक मूल्यों, अनुशासन, संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान एवं कौशल का उपयोग नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने तथा सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने में किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को पुलिस सेवा एवं यातायात प्रबंधन से संबंधित विविध विषयों पर व्यापक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रदेश के प्रत्येक विद्यार्थी की होगी अपनी विशिष्ट अपार आईडी

भोपाल (निप्र)। प्रदेश के सभी विद्यार्थियों का शैक्षणिक रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित और एक ही जगह पर उपलब्ध हो, इस उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में अपार आईडी निर्माण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी की अपार आईडी बनाने का कार्य किया जाएगा। साथ ही प्रदेश की समस्त स्कूलों में प्रत्येक शनिवार को मेगा अपार दिवस का आयोजन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा के आंकडों के अनुसार प्रदेश में लगभग 1 करोड़ 39 लाख 38 हजार स्कूली विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाई जाएगी। अब तक 93 लाख 97 हज़ार विद्यार्थियों की अपार आईडी का निर्माण हो चुका है। शेष 44 लाख 47 हज़ार विद्यार्थियों की अपार आईडी का निर्माण आगामी 30 जून तक पूरा जाएगा।

साइबर सुरक्षा एवं एआई-एमएल के क्षेत्र में युवाओं का हुआ कौशल संवर्धन

एमपीएसईडीसी की पहल से 400 से अधिक विद्यार्थियों को मिला प्रशिक्षण

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) द्वारा उद्योग साझेदार एवं एसएसआरजीएसपी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय साइबर सुरक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में 400 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी,बंसल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस और एआईएसईसीटी इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर सुरक्षा और एआई एवं एमएल जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं के कौशल का विकास करना और उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना था। समापन दिवस पर आयोजित तकनीकी सत्रों में डेटा सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग और साइबर खतरों की पहचान और प्रबंधन से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी। डेटा सिक्योरिटी फंडामेंटल्स सत्र में डेटा सुरक्षा, गोपनीयता, डेटा गवर्नेंस एवं नियामकीय अनुपालन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। वहीं सिक्योर कोडिंग एंड डेवलपर सिक्योरिटी प्रैक्टिसेज सत्र में सॉफ्टवेयर विकास प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

भोपाल में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलने का विरोध, कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन, छात्रों का मार्च

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलने के प्रस्ताव को लेकर राजधानी भोपाल में विरोध तेज हो गया है। एक ओर कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा विभाग को ज्ञापन सौंपकर प्रस्ताव वापस लेने की मांग की, वहीं दूसरी ओर सैकड़ों छात्र और युवा सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने इसे भोपाल की ऐतिहासिक पहचान और स्वतंत्रता संग्राम की विरासत पर हमला बताया। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव मोहम्मद जहीर ने शनिवार को राज्यपाल (कुलाधिपति), मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा विभाग को ज्ञापन सौंपते हुए कार्यपरिषद द्वारा पारित नाम परिवर्तन प्रस्ताव को तत्काल निरस्त करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना बरकतउल्ला भोपाली के नाम को विश्वविद्यालय से हटाना उनके ऐतिहासिक योगदान का अपमान है और यह संविधान की मूल भावना के विपरीत है।

जिंसी चौकी से अंबेडकर प्रतिमा तक छात्रों का मार्च

शनिवार को आरिफ मसूद फैंस क्लब और विभिन्न छात्र समूहों के बैनर तले जिंसी चौकी, जहांगीराबाद से पैदल मार्च निकाला गया। यह मार्च लिली टॉकीज चौराहे स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा तक पहुंचा। आयोजकों के अनुसार प्रदर्शन में लगभग 350 लोग शामिल हुए, जिनमें 300 से अधिक छात्र थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं और छात्रों की भावनाओं से जुड़ा आंदोलन है। मार्च के दौरान छात्रों ने बरकतउल्ला हमारी पहचान है और इतिहास नहीं मिटने देंगे जैसे नारों के साथ विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि नाम परिवर्तन का प्रस्ताव वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।जमीअत उलेमा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हारून ने कहा कि मौलाना बरकतउल्ला भोपाली देश के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद और हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। उन्होंने विदेशों में रहकर भारत की आजादी की लड़ाई को मजबूती दी और देश की पहली निर्वासित सरकार में प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी भी निभाई।

बीजाडांडी में तीर्थयात्रियों की बस पलटी, 25 घायल

– 11 श्रद्धालु जबलपुर रेफर, दुर्ग से वृंदावन जाते समय जबलपुर के नजदीक हुए हादसे का शिकार

जबलपुर (ए.)। जबलपुर संभाग के मंडला के बीजाडांडी थाना क्षेत्र में मोइयानाला के पास शनिवार 6 जून की सुबह लगभग 5:30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग–30 पर जबलपुर की ओर आ रही तीर्थयात्रियों से भरी एक बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई । पलटने से उसमें सवार लगभग 25 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 11 की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हे बेहतर उपचार के लिए जबलपुर में रेफर किया गया है । बस में लगभग 50 श्रद्धालु सवार थे, जो छत्तीसगढ़ के दुर्ग से उत्तर प्रदेश के वृंदावन दर्शन के लिए जा रहे थे। टक्कर के बाद बस में अफरा–तफरी मच गई। आ0वाज सुनकरन आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बीजाडांडी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी यात्रियों को बस से बाहर निकाला गया। इसके बाद घायलों को एम्बुलेंस से बीजाडांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां सभी को प्राथमिक उपचार दिया गया तथा कुछ यात्रियों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जबलपुर रेफर किया गया।

टीकमगढ़ के डायल-112 हीरोज सड़क दुर्घटना में घायल दो युवतियों एवं एक युवक को त्वरित सहायता से पहुँचाया अस्पताल

टीकमगढ़ (ए.)। टीकमगढ़ जिले के थाना दिगौड़ा क्षेत्र में डायल–112 जवानों की तत्पर एवं संवेदनशील कार्रवाई से सड़क दुर्घटना में घायल दो युवतियों एवं एक युवक को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। इस त्वरित कार्रवाई से घायलों को शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सकी। 05 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल–112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना दिगौड़ा क्षेत्र अंतर्गत मेन रोड बर्माताल के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटर साइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें दो युवतियाँ एवं एक युवक घायल हो गए हैं तथा तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही दिगौड़ा थाना क्षेत्र में तैनात डायल–112 वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।डायल–112 स्टाफ सउनि कल्याण सिंह यादव एवं पायलट आशीष यादव ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया। डायल–112 जवानों ने तत्परता एवं मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सभी घायलों को तत्काल डायल 112 वाहन की सहायता से जिला चिकित्सालय, टीकमगढ़ पहुँचाया। डायल–112 की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से सभी घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका। डायल–112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल–112 सेवा आपात परिस्थितियों में आमजन की सहायता हेतु सदैव सजग, संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।

बड़वानी में समान नागरिक संहिता पर मंथन, नागरिकों से 15 जून तक मांगे गए सुझाव

बड़वानी, (ए.)। मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर नागरिकों के सुझाव और विचार जुटाने के उद्देश्य से गठित उच्च स्तरीय समिति की जिला स्तरीय बैठक शनिवार को बड़वानी में आयोजित की गई। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित इस बैठक में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में समिति की सदस्य डॉ. शोभा पैठनकर ने समान नागरिक संहिता की अवधारणा, इसके संभावित स्वरूप, विभिन्न राज्यों के अनुभवों और सामाजिक प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने महिलाओं के अधिकार, सामाजिक न्याय, पारिवारिक कानूनों और संवैधानिक प्रावधानों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ संवाद किया।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के सदस्य, अधिवक्ता, शांति समिति के प्रतिनिधि, छात्र संगठन, शिक्षाविद, मीडिया प्रतिनिधि और विभिन्न समुदायों के नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने यूसीसी से जुड़े अपने विचार और सुझाव समिति के समक्ष रखे।डॉ. पैठनकर ने कहा कि भारत की पहचान उसकी "अनेकता में एकता" की परंपरा है और किसी भी महत्वपूर्ण नीति पर निर्णय लेने से पहले समाज के सभी वर्गों की राय जानना आवश्यक है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों, सरपंचों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से गांव–गांव जाकर इस विषय पर चर्चा करने और अधिक से अधिक लोगों को सुझाव देने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

कलेक्टर कार्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया श्रमदान

झाबुआ(ए.)। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में आज कलेक्टर कार्यालय परिसर एवं कार्यालयीन उद्यान में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर परिसर की साफ–सफाई की तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ कार्य वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया।श्रमदान कार्यक्रम के पूर्व उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात सभी ने सामूहिक रूप से परिसर की सफाई कर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।अवसर पर कलेक्टर डॉ. भरसट ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने तथा नियमित रूप से अपने कार्यस्थल एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सप्ताह में कुछ समय स्वच्छता के लिए समर्पित करते हुए श्रमदान करना चाहिए, जिससे स्वच्छ, सुंदर एवं सकारात्मक कार्य संस्कृति का निर्माण हो सके। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अपर कलेक्टर सी एस सोलंकी एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे तथा स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई।

उमरिया के आदिवासी गांव में गहराया जल संकट, तीन किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर ग्रामीण

उमरिया (ए.)। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में भीषण गर्मी के बीच आकाशकोट क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत माली में पेयजल संकट विकराल रूप ले चुका है। गांव के सैकड़ों ग्रामीण रोजाना पीने के पानी के लिए करीब तीन किलोमीटर का कठिन पहाड़ी रास्ता तय करने को मजबूर हैं। हालात ऐसे हैं कि बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं दिनभर पानी जुटाने में ही लगे रहते हैं।ग्रामीणों के अनुसार गांव में पेयजल का एकमात्र स्रोत एक कुआं है, जो आबादी से काफी दूर घाटी क्षेत्र में स्थित है। पानी भरने के लिए लोगों को पहले तीन किलोमीटर नीचे उतरना पड़ता है और फिर भारी बर्तनों में पानी लेकर दुर्गम चढ़ाई चढ़कर वापस गांव पहुंचना पड़ता है।गांव की बुजुर्ग महिला इन्द्राणा बाई बताती हैं कि बढ़ती उम्र के कारण पानी लाना बेहद मुश्किल हो गया है, लेकिन मजबूरी में यह काम रोज करना पड़ता है। उनका कहना है कि कई बार अधिकारियों को समस्या बताई गई, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है।ग्रामीण सुंदर सिंह के मुताबिक गांव में न केवल पीने के पानी की कमी है, बल्कि नहाने और अन्य घरेलू जरूरतों के लिए भी लोगों को तालाब के पानी पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

राष्ट्रीय कथक सम्मान से नित्या सोहनी सम्मानित

इन्दौर (ए.)। बेंगलुरु में आयोजित हेरिटेज फाउंडेशन ऑफ आर्ट एंड कल्चर के कॉन्क्लेव में नादयोग गुरुकुल इन्दौर की कथक शिष्या नित्या

सोहनी को राष्ट्रीय कथक सम्मान से सम्मानित किया गया। इसमें देशभर के 15 शहरों से चयनित 1,500 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया था उन प्रतिभागियों में से चयनित शीर्ष 28 युवा कलाकारों को मंच पर प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया था। पुरस्कार हेरिटेज फाउंडेशन ऑफ आर्ट एंड कल्चर की अध्यक्ष चंद्रिका बी. एवं डॉ. किंगशुक घोष द्वारा दिए गए। नित्या सोहनी सत्य साईं विद्या विहार की छात्रा है उसने इस राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि हासिल कर स्वयं और परिजनों के साथ स्कूल, शहर इंदौर और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

व्यापार समाचार

आरबीआई के फैसलों के बाद आ सकता है 40 अरब डॉलर तक का कैपिटल इनफ्लोः एसबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली (ए),। एसबीआई रिसर्च की ओर से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी (आरबीआई –एमपीसी) द्वारा लिए गए फैसलों से देश में 40 अरब डॉलर का कैपिटल इनफ्लो देखने को मिल सकता है और इससे डॉलर के मुकाबले रुपया 92–93 के स्तर पर जा सकता है।

साथ ही कहा कि केंद्रीय बैंक अगस्त की मौद्रिक नीति में भी ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है। रिपोर्ट में एसबीआई रिसर्च ने कहा, हमारा मानना है कि आरबीआई ब्याज दरों में संभावित वृद्धि पर विचार करने से पहले महंगाई के आंकड़ों का विश्लेषण करना जारी रखेगा। बाजार की उम्मीदों के विपरीत, विकास संबंधी कारक ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि के चक्र को दरकिनार कर सकते हैं। हमें अगस्त में नीतिगत दरों में कोई बदलाव न होने की उम्मीद है।

एसबीआई रिसर्च ने कहा कि एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने और तटस्थ रुख जारी रखने का निर्णय लिया, जबकि विकास अनुमानों को 30 बीएसपी समायोजित करके 6.6 प्रतिशत कर दिया गया है। साथ ही, सीपीआई मुद्रास्फीति अनुमान को भी 50 बीएसपी संशोधित करके अब 5.1 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया , गहन विश्लेषण के आधार पर, हमें लगता है कि मौद्रिक नीति की भाषा मुद्रास्फीति पर निगरानी और बाहरी क्षेत्र से बचाव पर केंद्रित रही है, हालांकि नीति का रुख तटस्थ है। यह विवेकपूर्ण कदम है क्योंकि यह आरबीआई की ओर से शांति और आत्मविश्वास का संकेत देता है और निराशावादी धारणाओं को रोकता है जो संभावित रूप से रुपए पर सट्टेबाजी को जन्म दे सकती हैं।

एसबीआई रिसर्च ने बताया कि आरबीआई ने नीति वक्तव्य में एक बार फिर स्पष्ट रूप से इस बात पर जोर दिया गया है कि कभी–कभी रुपए की चाल मूलभूत कारकों के अनुरूप नहीं होती है। रिपोर्ट में कहा गया, इससे उन हालिया अनावश्यक आरोपों पर विराम लग जाता है कि रुपए को 100 तक भी बढ़ने दिया जाना चाहिए, क्योंकि इस तरह के अनावश्यक दावे रुपए पर सट्टेबाजी को बढ़ावा देते हैं।

वैश्विक अस्थिरता में भी तेजी से दौड़ रही भारतीय अर्थव्यवस्था, 7.8प्रतिशत की दर से बढ़ी इकोनॉमी

नई दिल्ली(ए),। भारतीय अर्थव्यवस्था की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025–26 में 7.7 प्रतिशत रही है, जो कि वित्त वर्ष 2024–25 के फाइनल आंकड़े 7.1 प्रतिशत से काफी अधिक है। इसकी वजह द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र का अच्छा प्रदर्शन करना था। यह जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए डेटा में दी गई।भारत की अर्थव्यवस्था ऐसे समय पर तेजी से बढ़ रही है, जब अमेरिका–ईरान युद्ध के कारण अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। मंत्रालय की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान देश की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रही है। वहीं, वित्त वर्ष 2025–26 में भारत का रियल और नॉमिनल ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) में क्रमश 7.9 प्रतिशत और 9.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सरकारी डेटा के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र का प्रदर्शन मजबूत रहा है। इनकी वृद्धि दर स्थिर कीमतों में क्रमशः 8.8 प्रतिशत और 9.3 प्रतिशत रही है। द्वितीयक क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग और तृतीयक क्षेत्र में सर्विसेज सेक्टर को शामिल किया जाता है।

अंडमान अपतटीय क्षेत्र में ऑयल इंडिया को बड़ी सफलता, ढूंढ निकाला प्राकृतिक गैस का दूसरा भंडार

नई दिल्ली (ए),। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड (OIL) ने अंडमान अपतटीय क्षेत्र में प्राकृतिक गैस का दूसरा महत्वपूर्ण भंडार खोजने में सफलता हासिल की है। इस खोज से सीमांत बेसिन क्षेत्र के भविष्य में एक महत्वपूर्ण हाइड्रोकार्बन उत्पादक केंद्र के रूप में उभरने की संभावनाएं और मजबूत हो गई हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह खोज 'विजयपुरम–3' अन्वेषण कुएं में हुई है। यह कुआं अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से लगभग 15 किलोमीटर दूर 355 मीटर गहरे समुद्री क्षेत्र में स्थित है। यह इस क्षेत्र में ऑयल इंडिया द्वारा खोदा गया दूसरा सफल गैस–युक्त कुआं है।

ऑयल इंडिया ने बीएसई और एनएसई को दी गई सूचना में बताया कि 'ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी' (OALP) के तहत 'ऑफशोर अंडमान ब्लॉक AN-OSHP-2018/1' में इस कुएं की ड्रिलिंग की गई। कंपनी के अनुसार, Eocene फॉर्मेशन में 1,900 मीटर से अधिक गहराई पर स्थित इस कुएं की प्रारंभिक उत्पादन परीक्षण के दौरान लगातार फ्लेयरिंग से प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि हुई।

कंपनी ने बताया कि परफोरेशन के बाद कुएं में दबाव तेजी से बढ़ा और गैस का प्रवाह शुरू हो गया। फिलहाल गैस के रासायनिक संघटन, कैलोरीफिक वैल्यू और उसके निर्माण की प्रक्रिया को समझने के लिए सैंपलिंग और आइसोटोप अध्ययन किए जा रहे हैं। ऑयल इंडिया के अनुसार, यह खोज क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन स्रोत, उसके प्रवास मार्ग और संभावित भंडारों की मौजूदगी का महत्वपूर्ण संकेत देती है। इससे भविष्य की खोज और उत्पादन रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी।

गौरतलब है कि कंपनी ने सितंबर 2024 में भी 'विजयपुरम–2' कुएं में प्राकृतिक गैस की खोज की थी। अंडमान क्षेत्र में अब तक खोदे गए तीन अन्वेषण कुओं में से दो में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी की पुष्टि हो चुकी है, जो इस क्षेत्र की ऊर्जा संभावनाओं को नई मजबूती प्रदान करती है।

आयुष्मान भारत वय वंदना योजना के तहत 1.20 करोड़ से अधिक वरिष्ठ नागरिक जुड़े, 13.84 लाख से ज्यादा इलाज हुए

नई दिल्ली (ए),। सरकार ने शनिवार को बताया कि आयुष्मान भारत वय वंदना योजना के तहत अब तक 1.20 करोड़ से अधिक वरिष्ठ नागरिकों का पंजीकरण किया जा चुका है। इस योजना के अंतर्गत 13.84 लाख से

ज्यादा उपचार किए गए हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 3,000 करोड़ रुपए रही है। सरकार के अनुसार, मिशन इंद्रधनुष अभियान के तहत उन 5.46 करोड़ बच्चों और 1.32 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया, जिन्हें पहले कोई टीका नहीं लगा था। एक अधिकारिक बयान में कहा गया कि वर्ष 2023 में बिना कोई टीका प्राप्त करने वाले बच्चों (जीरो–डोज बच्चों) की हिस्सेदारी कुल आबादी का 0.11 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2024 में घटकर 0.06 प्रतिशत रह गई। सरकार सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) चला रही है, जिसके तहत हर साल 2.67 करोड़ नवजात शिशुओं और 2.9 करोड़ गर्भवती महिलाओं को 12 बीमारियों से बचाव के लिए मुफ्त टीके उपलब्ध कराए जाते हैं। पिछले 12 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए सरकार ने कहा कि 44 करोड़ से अधिक परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला है और 1.86 लाख से ज्यादा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित किए जा चुके हैं।

बीएसएनएल में नौकरी का अवसरः जनरल मैनेजर के 15 पदों के लिए जल्द सक्रिय होगा आवेदन लिंक, जानें डिटेल्स

नई दिल्ली (ए),। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने देश भर में विभिन्न पोस्टिंग/स्थान के लिए फाइनेंस और अकाउंट्स स्ट्रीम में कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर जनरल मैनेजर के कुल 15 पदों पर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। बीएसएनएल की ओर से जारी रिक्तियों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 6 जून के सुबह 10 बजे से शुरू हो जाएगी और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 24 जून के सुबह 10 बजे तक तय की गई है।

ऐसे में जो पात्र उम्मीदवार इन पदों पर नियुक्त होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे बीएसएनएल के ऑफिशियल पोर्टल पर आवेदन लिंक सक्रिय होने के बाद से तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं। वहीं, जिन अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र जमा करते समय कुछ गलती हो जाती है, उनके लिए फॉर्म में त्रुटि को सुधारने का विंडो 25 जून के सुबह 10 बजे से 28 जून के सुबह 10 बजे तक सक्रिय रहेगा। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी/संस्थान से चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) या कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए) या एमबीए (फाइनेंस) या मैनेजमेंट (फाइनेंस) में पीजी डिप्लोमा होना चाहिए।

आम जनता की जेब को बड़ी राहत, देश में लॉन्च हुआ E85 फ्लेक्स फ्यूल, सामान्य पेट्रोल से सीधे 20 रुपए मिलेगा सस्ता

नई दिल्ली (ए.)। देश में ईंधन के एक नए और क्रांतिकारी युग की शुरुआत हो चुकी है। विश्व पर्यावरण दिवस की शाम को देश में 'श्व85 फ्लेक्स फ्यूल' को आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिल्ली के पूसा रोड स्थित इंडियन ऑयल के एक रिटेल आउटलेट पर इस खास फ्यूल को देश को समर्पित किया। इस नए फ्यूल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह सामान्य पेट्रोल के मुकाबले सीधे 20 रुपये प्रति लीटर सस्ता मिलेगा। दिल्ली में इसकी कीमत 82.12 रुपये प्रति लीटर तय की गई है, जबकि सामान्य पेट्रोल अभी 102.12 रुपये प्रति लीटर की दर से बिक रहा है।

क्या है E85 फ्यूल और किन गाड़ियों के लिए है खास

E85 कोई सामान्य ईंधन नहीं है, बल्कि इसे खास तौर पर फ्लेक्स–फ्यूल वाहनों (FFVs) के लिए तैयार किया गया है। गणित के हिसाब से समझें तो 1 लीटर श्व85 फ्लेक्स फ्यूल में 85 फीसदी इथेनॉल और सिर्फ 15 फीसदी पेट्रोल मिक्स होगा। यानी एक लीटर तेल में 850 रूरुइथेनॉल और 150 रूरुपेट्रोल रहेगा। मौजूदा समय में देश के पेट्रोल पंपों पर मिलने वाले सामान्य पेट्रोल (E20) में सिर्फ 20 फीसदी तक ही इथेनॉल मिक्स होता है। यह फ्यूल सामान्य गाड़ियों के लिए बिल्कुल नहीं है, क्योंकि फ्लेक्स–फ्यूल गाड़ियां E20 से लेकर E100 (100% इथेनॉल) तक के मिश्रण पर चलने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की जाती हैं।

दिल्ली समेत देश के 48 आउटलेट्स पर रोलआऊट शुरू, यह है आगे का मेगा प्लान

केंद्रीय मंत्री ने दिल्ली के पूसा रोड से इसकी शुरुआत की है। पहले चरण में सरकारी तेल कंपनियों ने देश भर के 48 चुनिंदा रिटेल आउटलेट्स पर E85 का रोलआउट शुरू कर दिया है। मंत्रालय ने इसे चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में विस्तार देने का लक्ष्य रखा है। इसे दिसंबर 2026 तक देश के बड़े शहरों के 500 पेट्रोल पंपों तक बढ़ाया जाएगा, जहां यह फ्यूल मिलने लगेगा। इसके बाद दिसंबर 2027 तक देश के 5,000 रिटेल आउटलेट्स तक E85 फ्यूल पहुंचाने का मेगा लक्ष्य तय किया गया है, यानी अगले डेढ़ साल के भीतर देश के एक बड़े हिस्से को इसका फायदा मिलने लगेगा।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

विपक्षी नजरिए से दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति

कई जगहों पर डीएमके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमले किए, उससे भी विपक्षी खेमे को लेकर धारणा बिगड़ी है। इसका खराब असर आने वाले चुनावों में विपक्षी सहयोग पर पड़ सकता है।

संसद में तालमेल के अलावा इंडिया गठबंधन वैसे भी निरर्थक हो चुका था, मगर तमिलनाडु में कांग्रेस के पाला-बदल के बाद फ्लोर कॉर्डिनेशन से सामूहिक प्रभाव पैदा कर पाना भी उसके लिए कठिन हो जाएगा। चुनाव परिणाम आने के तुरंत बाद कांग्रेस का एकतरफा तौर पर डीएमके का साथ छोड़कर टीवीके से गांठ जोड़ लेने से पैदा हुई कड़वाहट का ही नतीजा है कि डीएमके ने लोकसभा स्पीकर से अपने सदस्यों की सीटिंग व्यवस्था बदलने की गुजारिश कर दी है। उधर तमिलनाडु में कई जगहों पर डीएमके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमले किए, उससे भी विपक्षी खेमे को लेकर धारणाएं बिगड़ी हैं। इसका खराब असर आने वाले चुनावों के दौरान अन्य दलों से कांग्रेस के सहयोग पर पड़ सकता है।

अगला एक प्रमुख चुनाव मैदान उत्तर प्रदेश है, जहां सपा नेता अखिलेश यादव पहले से ही कांग्रेस से कुछ हिसाब चुकता करने के अपने मूड का संकेत देते रहे हैं। महाराष्ट्र में पहले ही गठबंधन के घटक अपनी राह अलग कर चुके हैं। वहां भी कांग्रेस का रुख विवाद के केंद्र में रहा। तमिलनाडु के मामले से क्षेत्रीय दलों में यह शिकायत और गहराएगी कि परजीवी होती गई कांग्रेस अपने अतीत की थाती के आधार पर सहयोगी दलों से अधिकतम कीमत वसूलने और इस प्रयास में चुनाव से ठीक पहले माहौल बिगाड़ने की हद तक चली जाती है। जहां उसका मुकाबला किसी गैर-भाजपा दल से होता है (मसलन, दिल्ली में 'आप', पश्चिम बंगाल में टीएमसी, केरल में लेफ्ट फ्रंट), वहां इल्जाम लगाने में वह कोई संयम नहीं दिखाती। ऊपर से आम अनुभव के विपरीत कांग्रेस नेता राहुल गांधी का यह बड़बोलापन है कि भाजपा को सिर्फ कांग्रेस ही हरा सकती है। विपक्षी नजरिए से यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। जिस समय गैर-भाजपा दलों में सबसे ज्यादा सहयोग और भाजपा का मुकाबला करने के एकजुट संकल्प की जरूरत है, इन दलों में समन्वय का रहा-सहा मंच भी बिखरता नजर आ रहा है। भाजपा का नीतिगत विकल्प देने के मोर्चे पर तो ये दल वैसे ही नाकाम थे, अब उनमें व्यावहारिक और चुनावी गणित आधारित सहयोग की भावना भी ओझल हो रही है।

शिक्षा का गिरता स्तर और व्यवसायीकरण की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति, संस्कृति और सभ्यता की आधारशिला होती है। यह केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण, नैतिक विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। किसी भी देश का भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है क्योंकि आज के विद्यार्थी ही कल के नागरिक, वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासक और राष्ट्रनिर्माता बनते हैं। इसलिए शिक्षा का स्तर कभी गिरना नहीं चाहिए। जब शिक्षा अपनी मूल भावना से भटक जाती है, तब उसका प्रभाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र पर पड़ता है। दुर्भाग्य से वर्तमान समय में शिक्षा व्यवस्था अनेक चुनौतियों से घिरी हुई है। पेपर लीक जैसी घटनाएँ, बढ़ता व्यवसायीकरण, नैतिक मूल्यों का ह्रास तथा प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही हैं।

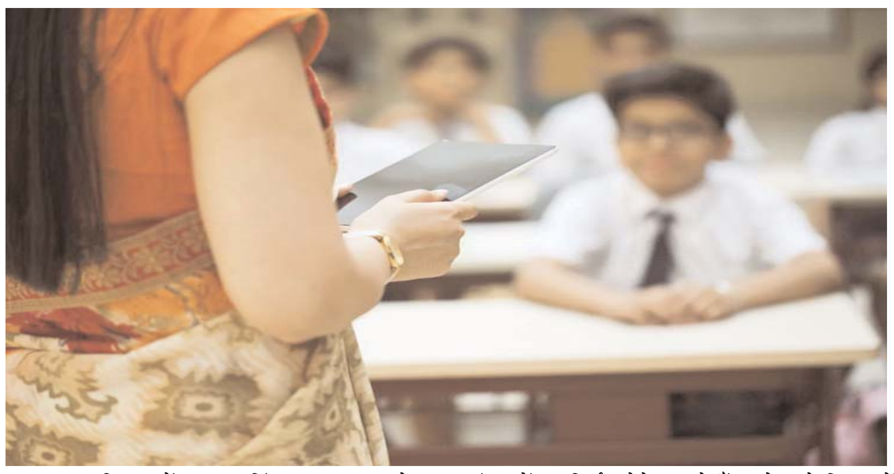

हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएँ लगातार सामने आई हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। कोई भी विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी में महीनों और वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है। वह अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर देता है। उसके माता-पिता भी अनेक त्याग और संघर्ष करके उसकी पढ़ाई का खर्च वहन करते हैं। लेकिन जब परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही लीक हो जाता है, तब लाखों विद्यार्थियों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। ऐसे मामलों में केवल परीक्षा ही रद्द नहीं होती, बल्कि विद्यार्थियों का मनोबल भी टूटता है। उनके मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास उत्पन्न होता है। वे यह सोचने लगते हैं कि क्या ईमानदार परिश्रम का कोई मूल्य नहीं रह गया है। इसलिए पेपर लीक जैसी घटनाएँ केवल प्रशासनिक विफलता नहीं हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र पर लगा एक कलंक हैं।

शिक्षा का उद्देश्य सदैव ज्ञान, विवेक और संस्कार प्रदान करना रहा है। प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों को केवल विषयगत ज्ञान ही नहीं दिया जाता था, बल्कि उन्हें सत्य, अहिंसा, अनुशासन, सेवा, करुणा और राष्ट्रभक्ति जैसे जीवन मूल्यों की शिक्षा भी दी जाती थी। गुरु अपने शिष्यों के व्यक्तित्व के समग्र विकास पर ध्यान देते थे। आज स्थिति बदल चुकी है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में अंकों, डिग्रियों और रोजगार की चर्चा अधिक होती है, जबकि चरित्र निर्माण और नैतिक शिक्षा पीछे छूटती जा रही है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य अच्छे नागरिक तैयार करना है, केवल नौकरी पाने वाले व्यक्तियों का निर्माण करना नहीं।

वर्तमान समय में शिक्षा अपेक्षित स्तर की नहीं दिखाई देती। इसका एक प्रमुख कारण शिक्षा का बढ़ता व्यवसायीकरण है। आज शिक्षा सेवा से अधिक उद्योग बनती जा रही है। अनेक निजी शिक्षण संस्थानों का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के बजाय अधिक से अधिक लाभ कमाना बन गया है। विद्यालयों और कॉलेजों की ऊँची फीस सामान्य परिवारों के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। प्रवेश प्रक्रिया से लेकर कोचिंग और अन्य सुविधाओं तक हर क्षेत्र में आर्थिक लाभ की प्रवृत्ति दिखाई देती है। शिक्षा अब समाज सेवा का माध्यम कम और व्यापार का साधन अधिक बनती जा रही है।

कोचिंग संस्कृति ने भी शिक्षा को प्रभावित किया है। विद्यार्थी विद्यालय की पढ़ाई से अधिक कोचिंग संस्थानों पर निर्भर होते जा रहे हैं। बड़े-बड़े विज्ञापनों और आकर्षक परिणामों के माध्यम से शिक्षा को एक उत्पाद की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। इससे शिक्षा का मूल स्वरूप प्रभावित हुआ है। विद्यार्थियों पर अत्यधिक प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ गया है। सफलता को केवल अंकों और रैंक से मापा जाने लगा है। परिणामस्वरूप विद्यार्थी मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

शिक्षा के व्यवसायीकरण का एक दुष्परिणाम यह भी है कि समाज में असमानता बढ़ रही है। आर्थिक रूप से सक्षम परिवार अपने बच्चों को महंगे विद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में भेज सकते हैं, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग के अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थी संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। शिक्षा का अधिकार सभी को समान अवसर प्रदान करने के लिए है, लेकिन जब शिक्षा अत्यधिक महंगी हो जाती है, तब यह समानता का सिद्धांत कमजोर पड़ने लगता है।आज आवश्यकता केवल पाठ्यक्रम पूरा करने की नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक और मानवीय मूल्यों का विकास करने की है। बचपन में प्राप्त संस्कार जीवनभर व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं। माता-पिता और शिक्षक दोनों ही विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश हो, तो विद्यार्थी केवल सफल पेशेवर ही नहीं बल्कि अच्छे इंसान भी बन सकते हैं। ईमानदारी, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, सहिष्णुता और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुण शिक्षा के माध्यम से विकसित किए जाने चाहिए।

शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होता है। जब शिक्षक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते हैं, तब विद्यार्थी भी उनसे प्रेरणा ग्रहण करते हैं। इसी प्रकार अभिभावकों को भी बच्चों पर केवल अंक प्राप्त करने का दबाव डालने के बजाय उनके व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य जीवन को सार्थक बनाना है, केवल परीक्षा में सफलता प्राप्त करना नहीं।

सरकार और शिक्षा प्रशासन को भी शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाना चाहिए ताकि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूर्णतः रोक लग सके। दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी गतिविधियों में शामिल होने का साहस न कर सके। साथ ही, शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता, नैतिकता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी नीतियाँ बनाई जानी चाहिए।नई शिक्षा नीति और विभिन्न सुधारात्मक प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब उनका उद्देश्य केवल तकनीकी और व्यावसायिक दक्षता बढ़ाना न होकर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना हो। शिक्षा को रोजगार से जोड़ना आवश्यक है, लेकिन उसे केवल रोजगार तक सीमित कर देना उचित नहीं है। शिक्षा का संबंध व्यक्ति के विचार, व्यवहार, चरित्र और सामाजिक चेतना से भी है।अंततः कहा जा सकता है कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की सबसे मूल्यवान संपत्ति है। इसका स्तर गिरना पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। पेपर लीक जैसी घटनाएँ विद्यार्थियों की मेहनत और सपनों के साथ अन्याय हैं तथा समाज पर कलंक के समान हैं। शिक्षा का बढ़ता व्यवसायीकरण भी इसकी मूल भावना को कमजोर कर रहा है।

विशेष लेखः छत्तीसगढ़ का स्मार्ट पंजीयन मॉडल बना सुशासन की नई पहचान

सुनील त्रिपाठी

छत्तीसगढ़ में सुशासन और नागरिक सुविधाओं को केंद्र में रखकर प्रशासनिक व्यवस्थाओं में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। इसी दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के नेतृत्व में पंजीयन विभाग में ऐतिहासिक एवं परिवर्तनकारी सुधारों की शुरुआत की गई है। राज्य सरकार का उद्देश्य पंजीयन प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी, तकनीक आधारित तथा नागरिकों के लिए पूरी तरह सुविधाजनक बनाना है।

कभी लंबी कतारों, घंटों इंतजार, दस्तावेजों के सत्यापन में देरी और बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने वाली पंजीयन प्रक्रिया अब पूरी तरह बदलती दिखाई दे रही है। पहले जहां एक साधारण रजिस्ट्री पूरी करने में 4 से 6 घंटे अथवा कई बार 1 से 2 दिन तक लग जाते थे, वहीं अब आधुनिक डिजिटल व्यवस्थाओं की मदद से यही प्रक्रिया केवल 15 से 20 मिनट में पूरी हो रही है। इससे नागरिकों के समय, धन और ऊर्जा तीनों की बड़ी बचत हो रही है।

राज्य सरकार ने अगले एक वर्ष के भीतर प्रदेश के सभी 119 पंजीयन कार्यालयों को स्मार्ट एवं विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पहले चरण में नवा रायपुर सीबीडी बिल्डिंग, बेबीलॉन टॉवर रायपुर, श्रीराम बिजनेस पार्क, सड्डू, कलेक्ट्रेट परिसर रायगढ़, दुर्ग, बिलासपुर, कुनकुरी, अभनपुर तथा तिल्दा सहित 10 प्रमुख कार्यालयों को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है।इन नए स्मार्ट पंजीयन कार्यालयों में अब नागरिकों को वेटिंग लाउंज, वातानुकूलित सुविधा, स्वच्छ एवं व्यवस्थित परिसर, निःशुल्क वाई-फाई, मोबाइल चार्जिंग स्टेशन, शुद्ध पेयजल, आधुनिक शौचालय, हेल्प डेस्क तथा प्री-प्रेजेंटेशन काउंटर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। इससे पंजीयन कार्यालय अब किसी आधुनिक सेवा केंद्र की तरह दिखाई देने लगे हैं।

कर्नाटक : डीके शिवकुमार के सीएम होने के मायने

डॉ. सुधीर सक्सेना

28 मई को अंततः कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर सियासत की दरोदीवार पर अटकलों और कयासों के सब्ज़े उगने का दौर तब थम गया, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया। इसके लिये उन्होंने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को अपने सरकारी आवास पर सुबह के नाश्ते पर आमंत्रित किया और बीते तीन साल में उनके सहयोग के लिए आभार जताते हुये कहा कि वह अपरान्ह तीन बजे इस्तीफा देने राजभवन जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस विधायकों से जब उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को सहयोग की बात कही, तो यह स्पष्ट हो गया कि शिवकुमार उनके उत्तराधिकारी होंगे। मई का महिना शिवकुमार के लिए बड़ा मायने रखता है। उनका जन्म आज से चौसंठ साल पहले 15 मई को कनकपुरा में हुआ था और सन 2023 में मई माह में ही उनके अथक प्रयासों से बीजेपी की येदियुरप्पा- सरकार को अपदस्थ कर कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई थी। यह दीगर है कि जीतोड़ कोशिशों के बाद डीकेएस तब सीएम नहीं बन सके थे और उनसे वरिष्ठ और अनुभवी सिद्धारमैया ने बज़िद बाजी मार ली थी। बहरहाल, 28 मई को डीकेएस को सुबह का ब्रेकफास्ट उनके अपने जन्मदिन और कांग्रेस सरकार की सालगिरह के समारोह के नाश्तों से अधिक सुखद और लज्जतदार लगा होगा, क्योंकि इस रोज उनका पालित सपना या साध पूरी हुई।

डीकेएस यानि डोडालाहल्ली केंपेगौड़ा शिवकुमार कर्नाटक के शीर्षस्थ नेताओं में शुमार हैं। वह धनाढ्य हैं, लोकप्रिय हैं, जुझारू और दबंग हैं और कुशल रणनीतिकार हैं। वह महत्वाकांक्षी हैं। करीब चार दशकों का उनका सियासी सफर दिलचस्प और घटनाप्रधान रहा है। वह खांटी कांग्रेसी हैं और सोनिया गांधी के प्रति उनके मन में गहरा सम्मान है। तीन साल पहले कर्नाटक में सत्ता में कांग्रेस की वापसी पर उन्होंने सोनियाजी

से अपना कौल निभाने की बात कही थी। डीकेएस का कॉन्फिडेंस लेबेल गज़ब का है। उन्हें जायंट-किलर यूं ही नहीं माना जाता। पहलेपहल उन्हें इस विशेषण से तब नवाजा गया था, जब सन 1989 में सथानूर से एचडी देवेगौड़ा को हराया था। इसी क्रम में उन्होंने एचडी कुमारस्वामी, पीजीआर सिंधिया और अनिता कुमार स्वामी को भारी मतों के अंतर से परास्त किया। देवेगौड़ा परिवार की त्रयी को हराने की तिकड़ी उनके खाते में दर्ज है। सन 2018 में उनकी जीत का अंतर अस्सी हजार से अधिक मतों का था। सन 2019 की भगवा लहर में भी वह अपने भाई डीके सुरेश को लोकसभा के लिए जिताने में कामयाब रहे। उनकी ब्यूह रचना का लोहा उनके विरोधी भी मानते हैं। वह कुबेर राजनेता हैं और सन 2018 में चुनावी हलफनामे में उन्होंने 840 करोड़ की संपत्ति दर्शाई थी।

डीकेएस का जीवन संघर्षों से बिंधा रहा है। सन 2017 में उनके दफ्तरों, ठिकानों और बिड़दी में ईगलटन गोल्फ रिजार्ट पर आयकर छापा पड़ा। उनके बंगलौर, चेन्नै, दिल्ली और मैसूरू के 67 ठिकानों पर तीन सौ अफसरों ने अस्सी घंटे छानबीन की। मौके पर सीआरपीएफ की तैनाती हुई। करीब दस करोड़ की संपत्ति जब्त हुई। अग्रिम जमानत के बावजूद तीन सितंबर, 2019 को उन्हें गिरफ्तार किया गया और डेढ़ माह से अधिक का समय उन्हें तिहाड़ जेल में बिताना पड़ा। उन पर मनी लांड्रिंग, कर वंचन, अवैध खनन के आरोप लगे, लेकिन वह डिगे नहीं और सोनिया-राहुल के प्रति अडिग वफादारी के सुबूत देते रहे।

दिल्ली में गत दिनों मैराथन बैठकों ने संकेत दिया था कि कर्नाटक की देगची में नेतृत्व परिवर्तन की खिचड़ी पक रही है। सिद्धारमैया ने कहा भी कि वह केंद्रीय नेतृत्व के कहने पर त्यागपत्र दे रहे हैं। कर्नाटक-प्रभारी सुरजेवाला इसे पॉवर-शेयरिंग नहीं मानते, लेकिन यह तय है कि डीकेएस के सब्र का प्याला छलकने की वेला आ सकती थी। कर्नाटक में 224 के सदन में कांग्रेस के 136, बीजेपी 63 और जेडीएस के 18 विधायक हैं। इसके बावजूद कर्नाटक बीजेपी के अध्यक्ष विजयेंद्र के कथन कि कर्नाटक में समय पूर्व चुनाव को कोई रोक नहीं सकता, ने धुकधुकी बढ़ा दी है। सीएम के विधि सलाहकार पोन्नन्ना भी वेट एंड वाच की बात कह रहे हैं, क्योंकि राज्यपाल थावरचंद गहलोत राजधानी के बाहर हैं और मुख्यमंत्री से उनके रिश्ते जगजाहिर हैं।

कोई नहीं जानता कि सिद्धारमैया की भूमिका क्या होगी, मगर कांग्रेस के लिए कर्नाटक बड़ा मायने रखता है और तीन साल बाद ही सही डीकेएस के लबों और प्याली के बीच फासला मिटता दीख रहा है। नेतृत्व परिवर्तन के प्रसंग का पटाक्षेप इस तरह हुआ कि शिवकुमार ने सिद्ध के पांव छुवे और सिद्ध ने उन्हें गले लगाया।

मेष- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

वृष- अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

मिथुन- यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा।

कर्क- लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह- दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा।

कन्या- विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वतरू ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा।

तुला- शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक- आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी।

धनु- व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक

मकर- समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें।

कुंभ- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

मीन- जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

ललित गर्ग

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम ''खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रिय भूमिका'' इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की

घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है।

इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं।

आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

अब 'स्मार्ट बॉर्डर' रोकेंगे अवैध घुसपैठ, अमित शाह ने दी पायलट प्रोजेक्ट की जानकारी, बोले- किसी भी हाल में जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं होने देंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बॉर्डर पर घुसपैठ को रोकने को लेकर एक बड़ी योजना के बारे में जानकारी साझा की है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी, स्थानीय प्रशासनिक संसाधनों और सुरक्षा बलों को एकीकृत करने वाली एक 'स्मार्ट बॉर्डर' पायलट प्रोजेक्ट को जल्द ही देश की सीमाओं पर सात से आठ स्थानों पर एक साथ शुरू किया जाएगा, जो भारत की सीमाओं के माध्यम से जनसांख्यिकीय परिवर्तन को रोकने के लिए केंद्र के हर संभव प्रयास करने के इरादे का संकेत है। शाह ने लंकामुरा सीमा चौकी पर बीएसएफ जवानों से कहा, त्रिपुरा हो, बंगाल हो या बिहार, हम सीमा पार घुसपैठ के जरिए जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं होने देंगे। यह हमारा दृढ़ विश्वास और संकल्प है।

उन्होंने कहा कि बाड़बंदी के पूरक के रूप में स्मार्ट सीमाओं का विचार भारत की सीमाओं को अभेद्य बनाने की चतुर्भुज सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है। यह अवधारणा योजना के अंतिम चरण में है। शुरुआती चुनौतियों का समाधान किया जाएगा, जिसके बाद इस पहल को पूरे सीमा नेटवर्क में लागू किया जाएगा। उत्तर, दक्षिण और पश्चिम से बांग्लादेश से घिरे त्रिपुरा में, शाह ने कहा कि सरकार ने लगभग 650 किलोमीटर की बाड़ में से 119 किलोमीटर की बाड़ को बदलने की परियोजना को मंजूरी दे दी है, जो 15 साल से अधिक पुरानी है।

हिमाचल में भूकंप के तीन झटके, कई मकान क्षतिग्रस्त; पालमपुर में अस्पताल की छत गिरी

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में भूकंप के कारण रातभर लोग दहशत में रहे हैं। रात 10.04 बजे हुआ 5 की तीव्रता के भूकंप के बाद दो बार फिर धरती हिली। 11.04 बजे 2.8 और 11.52 बजे 3 तीव्रता का भूकंप आया। तीनों का केंद्र चंबा जिले में ही रहा। इस कारण लोग रातभर सो नहीं पाए। पहला झटका काफी तेज था, जिस कारण कई जगह नुकसान भी हुआ है। जिला कांगड़ा के धर्मशाला में कई जगह घरों में दरारें आई हैं।

यहां होटलों में ठहरे पर्यटक भी सहम कर कमरों से बाहर आ गए। होटलों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

अस्पताल भवन को नुकसान, मरीज सहमे

पालमपुर के सिविल अस्पताल में रात को आए भूकंप से पुराने भवन की दूसरी मंजिल की छत को नुकसान हुआ। इस दौरान गनीमत रही कि मरीज सुरक्षित हैं। किसी भी मरीज को कोई चोट नहीं आई है। इस दौरान मरीजों में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि यह भवन काफी पुराना है और इसे असुरक्षित घोषित किया हुआ है, इसके बावजूद यहां मरीज उपचाराधीन हैं।

गंगोत्री-यमुनोत्री में 10 लाख से अधिक तीर्थयात्री कर चुके दर्शन, पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा

देहरादून (आरएनएस)। चारधाम यात्रा के तहत गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के प्रति श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बना हुआ है। यात्रा के शुरुआती 47 दिनों में ही दोनों धामों में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 10 लाख के पार पहुंच गई है। पिछले वर्ष की तुलना में यात्रियों की संख्या में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

बीते 19 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा के तहत 4 जून तक गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में कुल 10,15,852 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। वर्ष 2025 की समान अवधि में यह संख्या 9,44,804 थी। इस तरह इस वर्ष अब तक 71,048 अधिक श्रद्धालु धामों तक पहुंचे हैं। आंकड़ों के अनुसार यमुनोत्री धाम में 4,98,367 और गंगोत्री धाम में 5,17,485 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

यात्रा मार्गों पर लगातार श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है और दोनों धामों में दर्शन का क्रम सुचारु रूप से चल रहा है। यात्रा अवधि में अब तक कुल 99,165 वाहनों का आवागमन दर्ज किया गया है, जिनमें 74,365 छोटे और 24,800 बड़े वाहन शामिल हैं। बढ़ती संख्या के बीच प्रशासन और पुलिस व्यवस्थाओं को लगातार सुदृढ़ बनाए हुए हैं।

एसपी कमलेश उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री के सुरक्षित यात्रा, सुगम दर्शन एवं सतत संवाद के संकल्प के अनुरूप उत्तरकाशी पुलिस यात्रा को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने में जुटी हुई है। यात्रा मार्गों से लेकर धामों तक सुरक्षा, यातायात और आपदा प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

सूरत के लोगों के बीच रहना बहुत अच्छा लगा', पीएम मोदी ने शेयर की तस्वीरें, दोहराया 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने गुजरात दौरे की झलकियां शेयर की हैं। उन्होंने सूरत शहर की प्रशंसा की और कहा कि इस जीवंत शहर से हमने मिलकर भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने का अपना संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने गुजरात दौरे के अगले दिन शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया। पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कल सूरत के लोगों के बीच रहना बहुत अच्छा लगा। इस जीवंत शहर से हमने मिलकर भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने का अपना संकल्प दोहराया। वीडियो में पीएम मोदी ने कार्यक्रमों शामिल होने की तस्वीरें और अपने भाषणों के कुछ अंश शेयर किए हैं। उन्होंने कहा, मुझे कई बार लगता है कि ये सूरत शहर नहीं है, सूरत एक स्पिरिट है। हमारा संकल्प विकसित गुजरात और विकसित भारत इस संकल्प को सिद्ध करना व सेवा के भाव से समर्पित होकर के करना है। उन्होंने कहा कि ये जो वैश्विक संकट चल रहा है, ये दिखाता है कि एनर्जी के मामले में आत्मनिर्भरता कितनी जरूरी है। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भर भारत का क्या मतलब होता है, ये हजीरा जाने पर भी साफ दिखता है। हजीरा आज केवल एक औद्योगिक क्षेत्र नहीं है। यह एक ऐसा इकोसिस्टम बन चुका है जहां, एनर्जी है, स्टील है, डिफेंस प्रोडक्शन है, पोर्ट है, और ग्लोबल ट्रेड का इकोसिस्टम है। हजीरा, देश के एक बड़े मेरीटाइम इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित हो रहा है, आत्मनिर्भर भारत के एक बड़े सेंटर के रूप में उभर रहा है। उन्होंने विरोधियों पर भी निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा, आज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं, जो आत्मनिर्भर भारत अभियान का मज़ाक उड़ाते रहते हैं। देश के इस संकल्प को वो लगातार नीचा ही दिखाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, भारत, नकारात्मकता से कहीं आगे निकल चुका है। ये असीमित आशावाद वाला देश है। अद्भुत आकांक्षाओं से लैस देश है। भारत के नागरिक सपनों से भरे हुए हैं, संकल्पों से भरे हुए हैं।

आर्थिक मोर्चे पर भारत की ऊंची छलांग: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जीडीपी ग्रोथ को बताया मजबूत भारत का प्रतीक

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत दर्ज किए जाने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की आर्थिक प्रगति की पुरजोर सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह

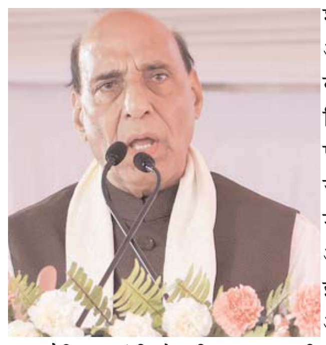

शानदार प्रदर्शन भारत की आंतरिक मजबूती और उस ठोस बुनियादी ढांचे को दर्शाता है, जिसे पिछले 12 वर्षों में रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म के मूल मंत्र के जरिए तैयार किया गया है। रक्षा मंत्री ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत के इस प्रदर्शन को बेहद ऐतिहासिक और गौरवशाली बताया है।

वैश्विक मंदी के बीच भारत की मजबूत साख

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए लिखा कि आज जब दुनिया के कई बड़े देश आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहे हैं, तब भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी धाक जमाए हुए है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि चालू वित्त वर्ष में देश की विकास दर जहां 7.7 प्रतिशत रही, वहीं चौथी तिमाही में यह रफ्तार और तेज होकर 7.8 प्रतिशत तक पहुंच गई। उन्होंने इसे राष्ट्र-निर्माण के प्रति देशवासियों के साझा प्रयासों का परिणाम बताया।

मंच पर मुख्यमंत्री के आने के बाद से पंडाल में गूंजता रहा जय श्री राम व बुलडोजर बाबा का जयघोष

गोंडा(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को बलरामपुर में मां पाटेश्वरी का पूजन कर सभास्थल चकरौत पहुंचे। कटरा व करनैलगंज विधानसभा के बॉर्डर पर आयोजित इस जनसभा में दोनों ही विधानसभाओं के लोग पहुंचे। शनिवार सुबह दस बजे मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम में सुबह सात बजे से ही लोग पहुंचने लगे। उन्होंने कहा कि शनिवार सुबह दस बजे से पहले ही पंडाल लोगों से खचाखच भरा नजर आया और हर ओर भगवा लहराता दिखा। मुख्यमंत्री योगी के मंच पर पहुंचते ही जनप्रतिनिधियों ने भाषण दिया। जिले के जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री को भगवान राम की प्रतिमा और गदा भेंट कर उनका स्वागत किया। साथ ही जिला प्रशासन की ओर से उन्हें मां शक्ति की प्रतिमा शक्ति और सेवा के प्रतीक के रूप में भेंट की गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनता, कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। मंच पर स्वागत उद्बोधन में कैसरगंज लोकसभा सांसद करन भूषण सिंह ने अपने भाषण में सीएम को बुलडोजर बाबा कहकर संबोधित किया। उनके इतना कहते ही पंडाल में जय श्री राम व बुलडोजर बाबा की जय के उद्घोष हुआ। वहीं, मुख्यमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि गोंडा ऊर्जावान जनपद है। यहां के युवा ऊर्जावान, अन्नदाता किसान परिश्रमी और बहनें व बेटियां प्रतिभाशाली हैं। इस पर पंडाल में भाजपा के झंडे लहराते रहे। लोग कुर्सियों पर खड़े होकर सीएम का भाषण सुनते नजर आए। कटरा निवासी आशीष मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री का भाषण सुनने के लिए सुबह सात बजे से ही आ गया था। जिससे आगे पहुंचकर उन्हें देख भी सके और ठीक से सुन भी सके। उनके साथ आए मनीष, शिवम व अन्य लोगों ने भी मुख्यमंत्री के विकास मॉडल को सराहा।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बेंगलुरु के सदाशिवनगर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की आर्थिक रफ्तार तेज करने पर मंथन, पीएम मोदी ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ की बैठक

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पीएम-इकोनॉमिक एडवायजरी काउंसिल (EAC-PM) के सदस्यों के साथ अहम बैठक की। इस दौरान वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि को नई गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझावों और रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में आम नागरिकों के जीवन को और सरल बनाने तथा कारोबार के लिए बेहतर माहौल तैयार करने को लेकर सुधारों पर जोर दिया गया। परिषद के सदस्यों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभावों का भी आकलन प्रस्तुत किया। यह चर्चा ऐसे समय में हुई है जब दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक अनिश्चितताओं और धीमी विकास दर जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि वे आयातित ईंधन पर निर्भरता कम कर भारत की आर्थिक मजबूती में योगदान दें। उन्होंने पर्यावरण-अनुकूल और स्वदेशी विकल्पों को अपनाने पर जोर देते हुए कई व्यवहारिक सुझाव दिए।

प्रधानमंत्री ने लोगों से वर्क फ्रॉम होम को प्राथमिकता देने, ईंधन की खपत घटाने, अनावश्यक विदेशी यात्राओं से बचने, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने तथा प्राकृतिक खेती को अपनाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने सोने की खरीदारी में संयम बरतने की भी सलाह दी। ईंधन कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए पीएम मोदी ने परिवहन के अधिक टिकाऊ और किफायती विकल्प अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाया जाए। निजी वाहन की आवश्यकता होने पर कारपूलिंग को प्राथमिकता दी जाए, जबकि माल परिवहन के लिए रेलवे को अधिक इस्तेमाल किया जाए।

'मेरा भारत युवा सम्मेलन' में बोलीं सीएम रेखा गुप्ता: देश के लिए जीने और योगदान देने का अवसर हम सबके पास

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता शनिवार को त्यागराज स्टेडियम में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत आयोजित 'विकसित भारत के लिए युवा - मेरा भारत युवा सम्मेलन' कार्यक्रम में शामिल हुईं। देशभर से आए 6,000 से अधिक युवाओं की उपस्थिति में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, युवा मामलों की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित थीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमियों, खिलाड़ियों, कलाकारों, कंटेंट क्रिएटर्स, यूपीएससी अभ्यर्थियों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह मंच वास्तव में भारत की युवा शक्ति का उत्सव है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के इतने प्रतिभाशाली युवा और प्रेरणास्रोत व्यक्तित्वों की उपस्थिति इस आयोजन को वास्तव में 'तारे जमीन पर' जैसा स्वरूप देती है। जब एक ही मंच पर युवा उद्यमी, खिलाड़ी, कलाकार, जनप्रतिनिधि, कंटेंट क्रिएटर्स और यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले युवा उपस्थित हों तो यह भारत की विविध प्रतिभा और असीम क्षमता का सशक्त प्रतिबिंब बन जाता है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया को इस अभिनव पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि मेरा भारत युवा सम्मेलन युवाओं को सम्मानित करने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि भारत का युवा देश की जिम्मेदारी उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है, जो मेहनती, दूरदर्शी, रचनात्मक और साहसी है। खेल, उद्यमिता, कला, तकनीक, कंटेंट निर्माण, शिक्षा और प्रशासन जैसे हर क्षेत्र में भारतीय युवाओं ने नए मानदंड स्थापित किए हैं। किसी भी क्षेत्र में सफलता के पीछे अथक परिश्रम, अनुशासन और समर्पण होता है। यही समर्पण भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि अगर देश का प्रत्येक युवा एक कदम आगे बढ़ाता है, तो 140 करोड़ भारतीयों का देश भी उसी गति से आगे बढ़ता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'विकसित भारत-2047' के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और इनोवेशन की क्षमता को राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित करने का आह्वान करते हुए कहा कि जीवन में देश के लिए मरने का अवसर मिले या न मिले, लेकिन देश के लिए जीने और योगदान देने का अवसर हम सभी के पास है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत की युवा शक्ति ही 'विकसित भारत-2047' का सबसे मजबूत आधार बनेगी।

सख्त फैसला : कर्नाटक में कर्मचारियों को सुबह 10 बजे तक ऑफिस पहुंचना अनिवार्य, कर्तव्य ऐप से हाजिरी

बेंगलुरु, (आरएनएस)। कर्नाटक सरकार ने राज्य के सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की समय की पाबंदी सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब सभी कर्मचारियों को सुबह 10 बजे तक अपने कार्यालय पहुंचना और मोबाइल ऐप के माध्यम से हाजिरी दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस नए नियम का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। चीफ सेक्रेटरी डॉ. शालिनी रजनीश की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि यह निर्देश मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार द्वारा 4 जून को हुई उच्चस्तरीय बैठक में दिए गए सख्त निर्देशों के आधार पर जारी किया गया है। बैठक में मुख्यमंत्री ने सरकारी कार्यालयों में अनियमितता और देर से आने की समस्या पर गहरी चिंता जताई थी। आदेश के अनुसार, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी से लेकर जिला स्तर के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को रोजाना कर्तव्य ऐप पर चेक-इन और चेक-आउट दर्ज करना होगा। ऐप के जरिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। ई-गवर्नेंस विभाग ने एक उन्नत एआई-आधारित सिस्टम विकसित

किया है, जो स्वत: उन कर्मचारियों की जिले-वार और कार्यालय-वार रिपोर्ट तैयार करेगा जिन्होंने सुबह 10 बजे तक हाजिरी नहीं लगाई। यह रिपोर्ट संबंधित विभाग के प्रमुखों को ऑटोमैटिक रूप से भेज दी जाएगी।

जो अधिकारी आधिकारिक दौरे या फील्ड ड्यूटी पर जाते हैं, उन्हें ऐप में आउट ऑफ ऑफिस ड्यूटी (ओओडी) विकल्प चुनना होगा। उनकी हाजिरी की पुष्टि संबंधित सुपरवाइजरी अधिकारी करेंगे। विभाग प्रमुखों को कर्तव्य डैशबोर्ड के माध्यम से रोजाना हाजिरी रिपोर्ट की समीक्षा करनी होगी और नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह कदम राज्य सरकार के कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है। पिछले कुछ समय से मुख्यमंत्री शिवकुमार सरकारी मशीनरी को अधिक सक्रिय और उत्तरदायी बनाने पर जोर दे रहे हैं। कर्तव्य ऐप पहले से ही कुछ विभागों में उपयोग में था, लेकिन अब इसे पूरे राज्य स्तर पर अनिवार्य कर दिया गया है।

के अन्नामलाई BJP से अलग होते ही बनाई 'इधु नम्मा इयक्कम', 10 घंटे में 10 लाख लोग उनकी पार्टी से जुड़े

तमिलनाडु (आरएनएस)। विधानसभा चुनावों में बीजेपी की करारी हार के बाद तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने शुक्रवार को बीजेपी से औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया है. के अन्नामलाई की नई पार्टी 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआती दौर में ही जबरदस्त समर्थन मिला है. के. अन्नामलाई के अनुसार 10 घंटे में 10 लाख से अधिक लोग इस आंदोलन से जुड़ गए हैं. अन्नामलाई ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से 2 जून को ही इस्तीफा दे दिया था जिसकी चिट्ठी सबके सामने आई है. के. अन्नामलाई ने शुक्रवार को बीजेपी से औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया.भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने भी अन्नामलाई के समर्थन में पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने पत्रकारों से कहा कि मेरे साथ साथ कई भाजपा नेताओं ने के. अन्नामलाई की नई पार्टी 'इधु नम्मा इयक्कम' से जुड़ने का फैसला लिया है.अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देने के बाद 5 जून को ही नई पार्टी बनाने की घोषणा कर दी थी. BJP की तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद से ही अन्नामलाई की नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने की अटकलें तेज हो गई थीं. पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई की नई पार्टी 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है. के. अन्नामलाई ने सोशल मीडिया पर वीडियो मैसेज में कहा, आज हम अपना स्वतंत्र आंदोलन खड़ा कर रहे हैं. 2031 का विधानसभा चुनाव में हमारी पार्टी लड़ेगी. एक्स पर एक पोस्ट में अन्नामलाई ने कहा, हमारे राजनीतिक आंदोलन ने एक मील का पत्थर हासिल किया है, जिसमें मात्र 10 घंटे में 10 लाख से अधिक स्वयंसेवकों ने पंजीकरण कराया है।

पुतिन की पश्चिमी देशों को चेतावनी, बोले- भारत के खिलाफ प्रतिबंधों की धमकियां उलटी पड़ेंगी

सेंट पीटर्सबर्ग, (आरएनएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रतिबंधों के जरिए भारत पर दबाव डालने का कोई भी प्रयास उल्टा पड़ेगा। उन्होंने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का समर्थन करते हुए कहा कि संप्रभु राष्ट्रों को अपने रक्षा और आर्थिक साझेदारों को चुनने की स्वतंत्रता बनी रहनी चाहिए। सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में बोलते हुए पुतिन ने कहा कि भारत ने हमेशा अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार काम किया है।पुतिन ने कहा, भारत हमेशा एक संप्रभु देश के रूप में कार्य करता है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रतिबंधों की कोई भी संभावित धमकी तुरंत ही उलटी पड़ जाएगी। भारत एक संप्रभु देश है और उसे उन उत्पादों को चुनने की स्वतंत्रता है, जिन्हें वह सबसे आधुनिक और अपने लिए सबसे उपयुक्त मानता है। लोग चाहे कुछ भी कहें, भारत हमेशा से इसी तरह कार्य करता आया है। पुतिन ने भारत-रूस रक्षा सहयोग को अद्वितीय बताया क्योंकि यह केवल खरीद-बिक्री के लेन-देन तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, भारतीय मित्रों के साथ हमारे संबंध इस मायने में विशिष्ट हैं कि आपसी विश्वास के कारण हम केवल व्यापार या खरीद-बिक्री पर ही ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं। हम संयुक्त अनुसंधान और विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पुतिन ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल कार्यक्रम की सफलता की ओर भी इशारा किया।पुतिन ने खुलासा किया कि रूस ने पहले भारत के साथ एसयू-57 लड़ाकू विमान से संबंधित एक संयुक्त कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा था, लेकिन सहयोग न हो पाने के कारण अंततः उसने विमान को स्वतंत्र रूप से विकसित किया। उन्होंने कहा, एसयू-57 एक बहुत अच्छा विमान है, शायद दुनिया का सबसे आधुनिक और उन्नत विमान। हमने मिलकर इस पर काम करने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, यह संभव नहीं हो पाया। हम एसयू-57 बेचने के लिए तैयार हैं।

पुतिन ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के बदलते समीकरणों को लेकर कहा कि ब्रिक्स ने जी7 देशों को पीछे छोड़ दिया है।

होर्मुज की ओर भेजे गए ईरानी ड्रोनों को मार गिराया: अमेरिकी सेना

वाशिंगटन(आरएनएस)। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने शुक्रवार को होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर भेजे गए ईरान के चार ड्रोन मार गिराए. इसके जवाब में ईरान के कुछ तटीय निगरानी रडार

ठिकानों पर हमला किया गया. इससे पहले से ही नाजुक युद्धविराम पर खतरा बढ़ गया है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन ईरान पर दबाव बढ़ा रहा है.

यूएस सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर कहा, 'हमलावर ड्रोन से इलाके में समुद्री ट्रैफिक के लिए तुरंत खतरा पैदा हो गया था.' तेहरान ने दुनिया भर में तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई के लिए जरूरी रास्ते पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, जिससे ऊर्जा की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं.'

वहीं, मिड-टर्म कांग्रेस चुनावों से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के लिए राजनीतिक मुश्किलें खड़ी हो गई हैं. इसके जवाब में सेना ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी कर रही है. अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने आगे के हमलों से बचाव के लिए रडार साइटों पर हमला किया, जिसमें जलडमरूमध्य में मौजूद एक द्वीप भी शामिल है.

अमेरिका का दावा- ईरान ने 7 मिसाइलें दागीं, कुवैत और बहरीन में धमाकों की खबर

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिकी सेना ने दावा किया है कि ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इनमें से 6 को निष्क्रिय कर दिया गया, जबकि एक अपने लक्ष्य तक पहुंच ही नहीं सकी। अमेरिका के इन दावों के बावजूद कुवैत और बहरीन में धमाकों की खबर है। कुवैत हवाई अड्डे के पास धमाकों की तेज आवाज सुनी गई है। कुवैत की सेना ने कहा कि वह शत्रु मिसाइल और ड्रोन हमलों का जवाब दे रही है।

अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के 4 एकतरफा हमला करने वाले ड्रोन को मार गिराया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ईरान के ये ड्रोन हमले इलाके में आवाजाही और समुद्री सुरक्षा के लिए तुरंत खतरा पैदा करते हैं। अमेरिकी सेना ने ये भी दावा किया कि उसने आगे के हमलों से बचाव के लिए गोरुक और केशम द्वीप पर ईरान के तटीय निगरानी रडार ठिकानों पर हमला किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के खिलाफ अमेरिकी हमलों के बाद शनिवार सुबह कुवैत और बहरीन में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। सूत्रों ने बताया कि कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास के इलाकों में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई। वहीं, ईरान की तस्नीम समाचार एजेंसी ने आईआरजीसी के हवाले से कहा कि उसने क्षेत्र में दुश्मन के ठिकानों पर हमला किया और उन्हें एयरोस्पेस मिसाइलों से निशाना बनाया।

मॉरीशस में कांगो, युगांडा या दक्षिण सुडान से आने वाले विदेशी नागरिकों पर बैन

इबोला वायरस से संक्रमित तो 21 दिन तक किया जाएगा क्वारंटीन

पोर्ट लुई,(ए.)। इबोला वायरस प्रकोप को देखते हुए मॉरीशस सरकार ने उन विदेशी नागरिकों के प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है जिन्होंने पिछले 21 दिनों में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो, युगांडा या दक्षिण सुडान की यात्रा की है, वहां से होकर गुजरे हैं या वहां ठहरे हैं। हालांकि, मॉरीशस के नागरिकों और वैध वर्क परमिट, रेजिडेंस परमिट, बिजनेस परमिट या स्टूडेंट परमिट रखने वाले विदेशियों को देश में प्रवेश की अनुमति रहेगी, लेकिन यदि उन्होंने पिछले 21 दिनों में इन तीन देशों का दौरा किया है, तो उन्हें 21 दिन तक क्वारंटीन में रहना होगा।

मीडिया रिपोर्ट में अफ्रीकन यूनियन के मुताबिक कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान में फैला इबोला संक्रमण क्षेत्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। मॉरीशस सरकार ने यह भी कहा है कि प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट और अन्य प्रवेश की जगह पर विशेष स्वास्थ्य जांच और जोखिम मूल्यांकन किया जाएगा। यदि किसी यात्री में इबोला के लक्षण पाए जाते हैं, तो उसे आइसोलेट कर चिकित्सकीय जांच की जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने जुलाई में मॉरीशस में आयोजित होने वाले 18वें यूएस-अफ्रीका बिजनेस समिट को भी फिलहाल स्थगित करने का अनुरोध किया है। 15 मई को कांगो और युगांडा में इबोला प्रकोप की आधिकारिक घोषणा की गई थी। इसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और डब्ल्यूएचओ ने पूरे अफ्रीका के लिए इबोला तैयारी और प्रतिक्रिया योजना शुरू की। इस योजना के तहत जून से नवंबर तक के लिए 51.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने का लक्ष्य है, ताकि अफ्रीकी देशों को संक्रमण की पहचान, रोकथाम और त्वरित प्रतिक्रिया में मदद मिल सके।

पाकिस्तान हमेशा अमेरिका के प्रति रहेगा आभारी : शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद(ए.)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें एक शांतिप्रिय व्यक्ति बताया है। शरीफ ने कहा कि भारत के साथ सैन्य संघर्ष को खत्म कराने में राष्ट्रपति ट्रंप के समय पर किए गए हस्तक्षेप के लिए पाकिस्तान हमेशा उनका आभारी रहेगा। अमेरिकी स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक विशेष समारोह में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अमेरिका और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों को लगभग आठ दशकों से जारी एक सच्चा और खास रिश्ता करार दिया।

शहबाज शरीफ ने पिछले साल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले का जिक्र किया, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक गंभीर सैन्य संघर्ष चला था। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने दावा किया कि पहलगाम घटना के बाद भारत की आक्रामकता को देखते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने समय रहते निर्णायक भूमिका निभाई, जिसके कारण पिछले साल 10 मई को दोनों देशों के बीच जारी सैन्य संघर्ष पूरी तरह थम सका। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में शांति बहाल करने और लाखों लोगों की जान बचाने के लिए ट्रंप को हमेशा याद किया जाएगा।गौरतलब है कि पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने पिछले साल सात मई को ऑपरेशन सिंदूरशुरू किया था। इसका मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में सक्रिय आतंकी ढांचे को ध्वस्त करना था। हालांकि, जहां एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान इस मामले में अमेरिकी मध्यस्थता की बात कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ भारत का रुख इस पर हमेशा से अलग रहा है। भारत लगातार यह कहता आया है कि दोनों देशों के बीच हुआ समझौता पूरी तरह द्विपक्षीय था और उसने किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के दावों को साफ तौर पर खारिज किया है। प्रधानमंत्री शरीफ ने ट्रंप के अद्वितीय और साहसी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी फैसलों से अमेरिका वैश्विक स्तर पर शांति और समृद्धि को आगे बढ़ा रहा है। इतिहास को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 1947 में पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के बाद उसे मान्यता देने वाले शुरुआती देशों में अमेरिका शामिल था।

उद्योग जगत के दबाव के बाद ग्रीन कार्ड नीति पर नरम पड़ा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन(आरएनएस)। उद्योग जगत से जुड़े लोगों द्वारा ग्रीन कार्ड संबंधी नयी नीति को लेकर अमेरिकी सरकार पर बनाए गए जोरदार दबाव के बाद इस मुद्दे पर प्रशासन का रुख कुछ नरम पड़ा है. आव्रजन मामलों से जुड़े अधिकारियों ने उद्योग जगत के दिग्गजों को आश्वस्त किया है कि अधिकांश कार्य वीजा इस नीति से प्रभावित नहीं होंगे. यह जानकारी सूत्रों की एक रिपोर्ट में दी गई है.

यह प्रतिक्रिया उस समय सामने आई जब अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने ऐसी नीति लागू की, जिसके तहत अमेरिका में काम कर रहे लोगों को स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) के लिए आवेदन करने के वास्ते अपने मूल देश लौटना अनिवार्य किया गया था. इस नीति के लागू होते ही प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षेत्रों सहित उद्योग जगत के लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया.

रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद कई प्रमुख कंपनियों, उद्योग संगठनों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस तथा गृह सुरक्षा, श्रम और विदेश मंत्रालयों के अधिकारियों के साथ फोन और ईमेल के माध्यम से निजी स्तर पर कई बार बातचीत की.

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी वाणिज्य मंडल उन उद्योग संगठनों में शामिल था, जिन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से इस नीति पर अधिक स्पष्ट दिशा-निर्देश देने की मांग की और चेतावनी दी कि इसका उनकी कार्यशक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है. प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लोगों ने भी व्हाइट हाउस के समक्ष अपनी चिंताएं रखीं.

फीचर

सर्दी-खांसी होने पर पानी पीने का नहीं करता मन? इन तरीकों से बढ़ा सकते हैं सेवन

सर्दी-खांसी होने पर शरीर का तापमान काफी बढ़ जाता है, जिससे पसीना आने लगता है। ऐसे में शरीर में पानी की कमी हो जाती है। साथ ही सर्दी-जुखाम होने पर प्यास लगना भी कम हो जाती है, जिसके चलते डिहाइड्रेशन की समस्या आम हो जाती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप सर्दी-खांसी होने पर भी पानी की कमी को पूरा कर सकते हैं।

गर्म पानी का सेवन करें

सर्दी-खांसी होने पर गर्म पानी का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। इसका कारण है कि गर्म पानी शरीर को जल्दी पानी की कमी से बचा सकता है और रोगों से लड़ने की ताकत को बढ़ा सकता है। दिनभर में 8-10 गिलास गर्म पानी पीने की कोशिश करें। हालांकि, ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो, क्योंकि इससे मुंह के अंदर जलन हो सकती है। इस तरह से आप सर्दी-खांसी के दौरान पानी की कमी से बच सकते हैं।

ताजे फलों का रस पीएं

सर्दी-खांसी होने पर ताजे फलों के रस का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है। इससे न केवल शरीर को पानी की कमी से बचाने में मदद मिलेगी, बल्कि विटामिन-सी की अधिक मात्रा भी मिलेगी। यह पोषक तत्व शरीर की रोगों से लड़ने की ताकत को बढ़ा सकता है। हालांकि, फलों के रस का सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। ताजे फलों के रस से शरीर को और भी फायदे मिल सकते हैं।

गुनगुने नींबू पानी का सेवन करें

नींबू विटामिन-सी का अच्छा स्त्रोत है, जो सर्दी-खांसी से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। यह भी संक्रमण से लड़ने की क्षमता को बढ़ा सकता है। लाभ के लिए एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़ें और इसमें स्वादानुसार शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण का सेवन करें। नींबू पानी के सेवन से शरीर को और भी लाभ मिल सकते हैं, जैसे ताजगी और हाइड्रेशन आदि। आप इसमें नमक मिलाकर भी पी सकते हैं।

नारियल पानी पीएं

नारियल पानी में प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो शारीरिक ऊर्जा को बढ़ाने के साथ-साथ शरीर से हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद पोटेशियम और मैग्नीशियम शरीर में पानी के स्तर को संतुलित रखने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए नारियल पानी का सेवन दिनभर में 2 बार करें। नारियल पानी से शरीर को और भी फायदे मिल सकते हैं और त्वचा में निखार आ सकता है।

सूप पीएं

सूप पीने से भी शरीर को पानी की कमी से बचाने में मदद मिल सकती है। सूप पीने से शरीर को पोषक तत्वों के साथ-साथ पानी की भी भरपूर मात्रा मिलती है। आप चाहें तो सब्जी का सूप या फिर क्लियर सूप का सेवन कर सकते हैं। हालांकि, अगर आपको डॉक्टर ने क्लियर सूप पीने से मना किया है तो आप इसके बजाय सब्जी का सूप पीएं। सूप पीने से शरीर को और भी फायदे मिल सकते हैं।

हिबा नवाब बनीं जादूगरनी, बिविच्ड से प्रेरित इस शो में आएंगी नजर

अभिनेत्री हिबा नवाब टीवी पर लौट आई हैं। वह एक नए पारिवारिक सिटकॉम में मुख्य किरदार निभा रही हैं, जिसे क्लासिक अमेरिकी शो बिविच्ड से प्रेरणा लेकर बनाया गया है।

इसमें हिबा, ऊर्वशी नाम की एक प्यारी जादूगरनी बनी हैं। ऊर्वशी अपने पति आरव पटेल के लिए अपनी जादुई दुनिया तो छोड़ देती है, लेकिन जब रोजमर्रा के काम उलझने लगते हैं, तो वह जादू का इस्तेमाल करने से खुद को रोक नहीं पाती है।

इस शो में आपको खूब हंसी-मजाक देखने को मिलेगा और साथ ही राखी विजयन व अधिक मेहता जैसे जाने-पहचाने कलाकार भी नजर आएंगे।

हिबा का झनक के बाद यह पहला शो है। इस धारावाहिक में उन्हें जादू से भरी कॉमेडी करने का मौका मिल रहा है, जो भारतीय टीवी पर बहुत कम ही देखने को मिलती है।

इस साल की शुरुआत में वह एक सुपरनैचुरल थ्रिलर का हिस्सा बनने वाली थीं, लेकिन वो प्रोजेक्ट सिरे नहीं चढ़ पाया। हिबा जिजीजी छत पर है और वो तो है अल्बेला जैसे शोज के लिए जानी जाती हैं।

हिबा बताती हैं कि उनके परिवार ने हमेशा उनका साथ दिया है और करियर के हर उतार-चढ़ाव में उन्हें जमीन से जोड़े रखा व केंद्रित रहने में सहयोग दिया।

ईशा देओल ने बॉबी देओल की फिल्म बंदर का किया रिव्यू, फैंस से की ये गुजारिश

बॉबी देओल की फिल्म बंदर 5 जून को सिनेमाघरों में आ गई है। इससे पहले, 4 जून को हुई फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में अभिनेता की बहन और अभिनेत्री ईशा देओल शामिल हुईं। अभिनेत्री ने इस खास पल की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की, जिसमें उनके साथ बॉबी और उनकी पत्नी तान्या देओल भी नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ ईशा ने बंदर का रिव्यू किया और फैंस से फिल्म बड़े पर्दे पर देखने का आग्रह किया है।

ईशा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बॉबी भैया की जमकर तारीफ की और फिल्म पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने लिखा, बॉबी आप अपने बेहतरीन फॉर्म में हैं! बिना किसी संदेह आज के सबसे बेहतरीन अभिनेता। दृढ़ और संवेदनशील! शाबाश भैया। उन्होंने दर्शकों से फिल्म को देखने का आग्रह करते हुए आगे लिखा, जाओ और बंदर देखो। भाई-बहन के बीच का यह प्यार देखकर फैंस भी खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं।अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म बंदर एक क्राइम थ्रिलर है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म की पटकथा सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने मिलकर लिखी है। इसमें सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, राज बी. शेट्टी, इंद्रजीत सुकुमारन और जितेंद्र जोशी भी शामिल हैं। फिल्म की कहानी एक मशहूर टीवी स्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगता है। इस झूठे आरोप में फंसकर उसकी पूरी जिंदगी बदल जाती है।

गमले में आसानी से उगाएं लेमन बाम, जानें आसान तरीका

लेमन बाम एक खुशबूदार और सेहत के लिए फायदेमंद पौधा है, जिसे आप अपने घर के आंगन या बालकनी में गमले में आसानी से उगा सकते हैं। यह पौधा न केवल आपके घर को हरा-भरा बनाता है, बल्कि कई स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भी भरपूर होता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप गमले में लेमन बाम उगा सकते हैं और उसकी देखभाल कैसे कर सकते हैं।

सही गमला चुनें

लेमन बाम के पौधे के लिए सही गमला चुनना बहुत जरूरी है। गमले का आकार इतना बड़ा होना चाहिए कि उसमें पौधे की जड़ें अच्छी तरह से फैल सकें। मिट्टी में पानी का बहाव होना भी जरूरी है ताकि जड़ें खराब न हों। प्लास्टिक या मिट्टी के गमले दोनों ही अच्छे विकल्प हो सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि गमले में नीचे छेद होना चाहिए ताकि पानी का बहाव हो सके।

अच्छी मिट्टी का उपयोग करें

लेमन बाम के पौधे के लिए अच्छी मिट्टी का उपयोग करना जरूरी है। ऐसी मिट्टी जिसमें कीड़े-मकोड़े न हों और जो पोषक तत्वों से भरपूर हो। आप अपने गमले में जैविक खाद मिलाकर भी उपयोग कर सकते हैं ताकि मिट्टी अधिक उपजाऊ बने। इसके अलावा मिट्टी को नरम रखने के लिए उसमें थोड़ा-थोड़ा रेत भी मिला सकते हैं। इससे पौधे की जड़ें अच्छी तरह से फैल सकेंगी और उन्हें पर्याप्त पोषण मिलेगा।

धूप और छांव का संतुलन बनाए रखें

लेमन बाम का पौधा धूप और छांव दोनों ही प्रकार की जगहों पर अच्छे से बढ़ता है। सुबह की हल्की धूप और दोपहर बाद की छांव इस पौधे के लिए आदर्श होती है। अगर आप इसे सीधे धूप में रखेंगे तो इसके पत्ते जल सकते हैं, इसलिए ध्यान रखें कि पौधे को ऐसी जगह रखें जहां उसे रोजाना 4-5 घंटे की हल्की धूप मिले। इससे पौधा स्वस्थ रहेगा और अच्छे से बढ़ेगा।

नियमित पानी दें

लेमन बाम के पौधे को नियमित रूप से पानी देना जरूरी है, लेकिन ध्यान रखें कि अधिक पानी देने से जड़ें खराब हो सकती हैं। इसलिए सप्ताह में 2-3 बार ही पौधे को हल्का पानी दें। बारिश के मौसम में पौधे को अधिक पानी देने की जरूरत नहीं होती, बस मिट्टी को नम रखें ताकि पौधा स्वस्थ रहे। इसके अलावा गमले के नीचे से पानी का बहाव होना भी जरूरी है ताकि जड़ें खराब न हों।

समय-समय पर छंटाई करें

पौधे की छंटाई करना बहुत जरूरी है ताकि वह घना और स्वस्थ रहे। समय-समय पर इसकी शाखाओं और पत्तियों को काटते रहें ताकि नए पत्ते निकल सकें। इस प्रक्रिया से पौधा ज्यादा फलदार बनेगा और उसकी गुणवत्ता भी बेहतर होगी। इसके अलावा छंटाई करने से पौधे का आकार भी नियंत्रित रहता है और वह ज्यादा सुंदर दिखता है। इस तरह आप आसानी से अपने घर पर लेमन बाम का पौधा उगा सकते हैं।

सभी नगरीय निकाय, जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायतें स्वालंबन की दिशा में बढ़ते हुए आय के नए-नए साधन विकसित करें : जयभान सिंह पवैया

सभी निकाय एवं जनपद पंचायते वित्तीय पोषण मद का उपयोग सावधानी एवं गुणवत्ता से करें

6वें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने सभी जनपद एवं निकायों से आय के साधन बढ़ाने सुझाव आमंत्रित किये

नर्मदापुरम (निप्र)। सभी नगरीय निकाय, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायते अपनी आय बढ़ाने के नए-नए साधन विकसित करें। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले वित्तीय पोषण मद का समुचित उपयोग पूर्णत; सावधानी एवं गुणवत्ता से करें। साथ ही यह देखें की वितीय पोषण मद का उपयोग समुचित रूप से हो रहा है कि नहीं। इस मामले में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। सारे कार्य पारदर्शी तरीके से किए जाएं, अन्यथा सभी वित्तीय मदद बेकार हो जाती है। निकाय किए जा रहे कार्यों का नवाचार अनिवार्य रूप से करें। उक्त निर्देश छठवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने शनिवार को आयोजित 6 वे राज्य वित्त आयोग की बैठक में दिए। नर्मदापुरम के आयुक्त सभा कक्ष मैं आयोजित बैठक में राज्य वित्त आयोग के सदस्य के के सिंह, उप सचिव अश्वनी कुमार परिहार, सदस्य सचिव वीरेंद्र कुमार, नर्मदापुरम संभाग के संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ, कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा, कलेक्टर बैतूल सौरभ संजय सोनवणे, हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सभी नगर पालिका अधिकारी गण एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। श्री पवैया ने बताया कि राज्य वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है, सभी नगरीय निकायों को विकास कार्यों के लिए केंद्रीय वित्त आयोग एवं राज्य वित्त आयोग से धनराशि दी जाती है। केंद्रीय वित्त आयोग की सलाह पर राज्य वित्त आयोग भी धनराशि प्रदान करता है, इसके अलावा सभी निकायों का यह प्रमुख दायित्व है कि वह अपना स्वयं का राजस्व जनरेट करें, उन्होंने निर्देश दिए की संपत्ति कर, जल कर में शत प्रतिशत राजस्व की वसूली की जाए। साथ ही नये पार्किंग स्थलो के लिए स्थान चिन्हित कर पार्किंग शुल्क निर्धारित की जाए जनपद

पंचायतें अपनी संचालित दुकानों का पुराना किराया रिवाइज करते हुए नई दर से फिर से किराया निर्धारित करें। नर्मदापुरम जिला पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है, अतः पर्यटन के क्षेत्र में भी नए आयाम स्थापित करते हुए अतिरिक्त स्ट्रक्चर बनाते हुए पर्यटन के क्षेत्र में भी राजस्व जनरेट किया जाए, जलकर और संपत्ति कर प्राथमिकता से वसूल किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की जनपद पंचायत एवं नगरीय निकाय आय के नए-नए स्त्रोतों की तलाश करें, लगने वाले मेले एवं है हाट बाजारो से भी राजस्व संग्रहण किया जाए।

बैठक में निर्देश दिए गए की सभी कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि जिन पंचायतो की आर्थिक स्थिति अच्छी है वहां सोलर एनर्जी और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करे। स्वालंबन की दिशा में पहल की जाए, गांव के नालों में हो रहे अतिक्रमण को प्राथमिकता से हटाया जाए, सभी पंचायतें पौधारोपण का कार्य एक अभियान के रूप में प्रारंभ करें। बिना नियोजन के और बिना प्लानिंग के यदि ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय खर्च करती रही तो निकाय एवं ग्राम पंचायत का विकास संभव नहीं हो पाएगा, अतः सभी नियोजन पूरी सावधानी से किए जाएं। ग्रामों में मेले एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा हाट बाजार लगाकर आय के नये साधन बढ़ाए जाएं, लेकिन इसके लिए विरासत में मिली चीजों को ना छोड़ा जाए, आय में बढ़ोतरी के लिए नए-नए स्त्रोतों की तलाश की जाए। संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ ने कहा कि केंद्रीय वित्त आयोग की मंशा एवं शर्तों के अनुसार ही सभी नगरीय निकाय कार्य करें साथ जो ऑडिट शेष है उन चीजों की ऑडिट सभी निकाय अनिवार्य रूप से करा ले। संभाग आयुक्त ने कहां की वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्र में हाउस टैक्स जितना लिया जाएगा उसका 5 प्रतिशत बढ़ाते हुए शहरी क्षेत्र में हाउस टैक्स संग्रहण करना होगा। वर्तमान में सभी जनपद पंचायत की सालाना आय दो से तीन लाख है जिसे इस वर्ष हर हाल में बढ़ाना होगा। उन्होंने सभी नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह संपत्ति कर में दावा एवं आपत्ति प्राथमिकता से प्राप्त करे। इसके अलावा जलकर की राशि में भी आवश्यक शुल्क निर्धारित करते हुए दुकानों के किराए में भी किराया रिवाइज करें। नए पार्किंग स्थल चिन्हित कर पार्किंग शुल्क अधिरोपित करें। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि पचमढ़ी में साल भर पर्यटक आते हैं, यहां पर अतिरिक्त डेवलपमेंट के कार्य कर पर्यटकों को फैसिलिटी उपलब्ध कराकर पर्यटन के माध्यम से आय बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

पचमढ़ी उत्सव के दौरान भी कुछ विशेष कार्य योजना बनाकर साडा के सहयोग से अतिरिक्त आय जनरेट की जाएगी। बैतूल कलेक्टर ने बताया कि कुकरु खामला के पर्यटन स्थल को विकसित कर आय के साधन बढाये जाएंगे। बताया गया कि हरदा में लोक अदालत, नर्मदा पुर में राम जी बाबा मेला से निकायों की आय मैं बढ़ोतरी हुई है।

शांतिनिकेतन स्कूल में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

नर्मदापुरम (निप्र)। शांतिनिकेतन मांटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नर्मदापुरम में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शाला के शिक्षक शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों ने शाला प्राचार्य डॉ केएम जॉर्ज के मार्गदर्शन में पौधारोपण किया। इस अवसर पर शाला प्राचार्य डॉ केएम एम जॉर्ज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान परिवेश में जिस तरह तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है इससे बचने का एकमात्र उपाय है, वृक्ष लगाना। हमारी आज की एक छोटी सी पहल आने वाली पीढ़ी को एक स्वच्छ वातावरण तथा बढ़ते तापमान से राहत दिलाएगी।

अखण्ड ब्राह्मण सेवा समिति भारत वर्ष नर्मदापुरम इकाई की मासिक बैठक संपन्न

नर्मदापुरम (ए.)। अखण्ड ब्राह्मण सेवा समिति ;भारत वर्ष नर्मदापुरम इकाई द्वारा मासिक बैठक जगदीश मंदिर धर्मशाला में संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश सचिव कामता प्रसाद द्विवेदी एवं प्रदेश अध्यक्षा महिला संगठन से श्रीमती मोना थापक की उपस्थिति में जिला अध्यक्ष आचार्य पंडित नीरजेश त्रिपाठी के नेतृत्व एवं संभाग अध्यक्ष पंडित भगवान दास थापक की अध्यक्षता में समिति के कई सदस्य उपस्थित हुए। जिनमें प्रमुख रूप से आचार्य पंडित अभिलाष शर्मा पंडित राजेंद्र पुरोहित पंडित विनोद दुबे पंडित संजय मिश्रा, पंडित गोविंद दुबे, पंडित अरुण दीक्षित पंडित कुशाग्र त्रिपाठी पंडित युवराज तिवारी पंडित शिवनारायण शर्मा पंडित रामगोपाल चौबे पंडित अशोक दिवोलिया पंडित केशव तिवारी पंडित संतोष मिश्रा पंडित राहुल थापक उपस्थित रहे । समिति में कुछ सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। पंडित शिवनारायण शर्मा ने वार्ड स्तर पर समिति गठन करने पर बल दिया ।

अन्य सदस्यों ने खर्चीली शादी न हो आपस में पारिवारिक एकता बनी रहे संस्कार सुरक्षित हों आदि विचार व्यक्त किए। यह भी तय किया कि सामाजिक संगठन के निर्माण के लिए सतत् यह बैठक समय समय पर होती रहेगी। प्रदेश सचिव द्विवेदी द्वारा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय चिंतन की भावना जागृत करना सनातन धर्म का यशोगान करना विश्व शांति की प्रार्थना करना धर्म के प्रति युवा जागृति करना रहेगा सभी उपस्थित सदस्यों ने यह अश्वत किया कि निकट भविष्य में एक कार्यक्रम नर्मदा पुरम में रखा जाएगा जहां युवा युवती की परिचय सम्मेलन बेरोजगारी की समस्या भगवान परशुराम जी का मंदिर स्थापित करने का भी निर्णय लिया जाएगा

युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन 11 जून को

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन 11 जून 2026 को शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय नर्मदापुरम में किया जाएगा।

तत्संबंध में कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा रोजगार मेले के सुचारु आयोजन हेतु अधिकारियों को दायित्व सौंप उनकी ड्यूटी लगाई गई है। कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा रोजगार मेला का संपूर्ण प्रभार अपर कलेक्टर नर्मदापुरम बृजेन्द्र रावत को सौंपा है। तथा रोजगार मेला के आयोजन संबंधी अन्य कार्यो एवं व्यवस्थाओं के लिए भी अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है।

पापी व्यक्ति भी श्रीमद् भागवत कथा सुन ले तो उसका कल्याण हो जाता है : पंडित स्पर्श तिवारी

ग्वालटोली शंकर मंदिर में कथा का पहला दिन, निकली शोभायात्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के ग्वालटोली स्थित शंकर मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के प्रथम दिन शोभा यात्रा गाजे बाजे के साथ निकली। श्रीमद् भागवत कथा में कथा व्यास पंडित स्पर्श तिवारी ने पहले दिन श्रीमद् भागवत कथा का महात्म का वर्णन करते हुए कहा कि पुरुषोत्तम मास में कथा श्रवण करने, दीपदान, भजन, जप, तप, स्नान करने से फल अनंत गुना होता है। उन्होंने कहा जीवन में एक बार भी नियम पूर्वक एक स्थान पर भागवत सुन लेने से पापी से पापी व्यक्ति का भी कल्याण हो जाता है और यह श्रीमद् भागवत श्रवण से ही संभव है। कथा प्रति दिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चल रही है। पहले दिन पंडित तिवारी ने धुंधकारी और गऊ करन की कथा का वर्णन किया । इसके साथ ही उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा के महत्व को बताया। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान भगवान श्री कृष्ण के सारगर्भित प्रसंगों का वर्णन पंडित तिवारी कथा व्यास से करेंगे। कथा में भारी मात्रा में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। यह आयोजन शंकर मंदिर समिति द्वारा किया जा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर पालिका परिषद इटारसी की विशेष कार्रवाई

1.5 किलो प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त, 2,000 रुपये की चालानी कार्यवाही

नर्मदापुरम (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद इटारसी द्वारा नगर में प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम एवं स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित नगर के उद्देश्य से विशेष अभियान संचालित किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देशन में राजस्व एवं स्वच्छता विभाग के संयुक्त दल द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक तथा अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान मोहन काका चौराहा, सिंधी मार्केट, चावल लाइन, तुलसी चौक, मंडी पेटी बाजार एवं फल बाजार सहित विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों एवं व्यापारियों को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने हेतु जागरूक किया गया। कार्यवाही के दौरान लगभग 1.5 किलोग्राम प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री जब्त की गई तथा संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध 07 चालानी प्रकरणों में कुल 1,300 रुपये की राशि वसूल की गई। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों में किए गए अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 05 चालानी प्रकरणों में 700 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया।

'ये सारी उम्र गई मित्रों के नाम'

डॉ. विनोद निगम का पुण्य स्मरण प्रसंग का आयोजन 13 जून को

नर्मदापुरम (निप्र)। देश के प्रसिद्ध नवगीतकार नर्मदांचल के सर्वप्रिय कवि डॉ विनोद निगम का तृतीय पुण्य स्मरण समारोह सप्तक मित्र समूह व नर्मदा शिक्षा समिति के द्वारा 13 जून को आयोजित होगा। सप्तक मित्र समूह के गोपीकांत घोष, खेमचंद यादवेश व कमलेश सक्सेना ने बताया कि 'ये सारी उम्र गई मित्रों के नाम' कार्यक्रम पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदापुरम विधायक डॉ सीतासरन शर्मा के मुख्य आतिथ्य राकेश फौजदार की अध्यक्षता, करेली के प्रख्यात कवि नारायण श्रीवास्तव, भोपाल के प्रसिद्ध शायर डॉ अंजुम बाराबंकवी, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ कृष्ण गोपाल मिश्र के विशिष्ट आतिथ्य में शनिवार 13 जून को अपरान्ह 4 बजे से पं रामलाल शर्मा स्कूल एनईएस कालेज के सभागार समारोह में आयोजित होगा। कार्यक्रम के मार्ग दर्शक पं. भवानी शंकर शर्मा व सूत्रधार डॉ हंसा व्यास ने बताया कि डॉ विनोद निगम के गीत का संगीतमय गायन श्रीराम परसाई आनंद नामदेव, ऋतु कुलश्रेष्ठ एवं साथी करेंगे। पूर्व वर्षों की भांति मुख्यअतिथि द्वारा इस वर्ष एमए हिन्दी गृह विज्ञान महाविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्रा स्मिता पाल को साहित्य विनोद सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ निगम के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालेंगे। सप्तक मित्र समूह के संयोजक सुरेश उपाध्याय, रमेश गार्गव, गोपीकांत घोष, राजकिशोर दीक्षित, खेमचंद यादवेश, कमलेश सक्सेना ने समारोह में जिले के साहित्यकार, समाजसेवी व उनके परिजन, प्रियजन, मित्रगणों से शामिल होने का आव्हान किया है।उल्लेखनीय है कि डॉ निगम के संयोजन में बीते अनेक वर्षों से कविवर भवानी प्रसाद मिश्र स्मृति श्रृंखला के तहत अनेक साहित्यिक, सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजन होते रहे हैं। जिसमें देश के जाने माने साहित्यकार, संगीतकारों का आना जाना होता रहा है। अब उनकी याद में उनके मित्रों के द्वारा यह अयोजन बीते तीन वर्षों से निरंतर जारी है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अमानक पॉलीथीन के विरुद्ध नगर परिषद सोहागपुर की कार्रवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर परिषद सोहागपुर द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी धर्मेंद्र शर्मा के निर्देशन में नगर के मुख्य बाजार क्षेत्र में अमानक एवं प्रतिबंधित पॉलिथीन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न दुकानों का निरीक्षण कर 07 किलो अमानक पॉलिथीन जब्त की गई तथा संबंधित दुकानदारों पर नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की गई। नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दुकानदारों तथा नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराते हुए पॉलिथीन का उपयोग न करने तथा इसके स्थान पर कपड़े एवं अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का उपयोग करने की समझाइश दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित पॉलिथीन पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तथा इसके उपयोग पर शासन द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है। अभियान के दौरान बाजार क्षेत्र के फल एवं किराना व्यापारियों सहित अन्य दुकानदारों को जागरूक किया गया तथा भविष्य में प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने की चेतावनी दी गई। इस कार्रवाई में अमित परसाई, संजय पचौरी, नीरज मलैया, राजकुमार घारू, संजय दोहरे, दीपक कुमार सहित नगर परिषद के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

संगठन की विचारधारा जन-जन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी : लोकेश तिवारी

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार एवं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला के मार्गदर्शन में सिवनी मालवा नगर एवं सिवनी मालवा ग्रामीण मंडल की मासिक मंडल बैठक शनिवार को संपन्न हुई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों जनहित के मुद्दों तथा पार्टी की गतिविधियों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सिवनी मालवा नगर मंडल प्रभारी गोविंद राय एवं सिवनी मालवा ग्रामीण मंडल प्रभारी लोकेश तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान की समीक्षा की गई तथा आगामी दिनों में होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अभियान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। मंडल बैठक के पश्चात शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर की बैठकों के आयोजन की योजना भी बनाई गई जिससे संगठनात्मक गतिविधियों को अंतिम पंक्ति तक पहुंचाया जा सके। प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार मन की बात कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर सुनने एवं अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों सेवा गतिविधियों एवं जनसंपर्क अभियानों को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम में महिला स्वसहायता समूह को मिला डेयरी व्यवसाय हेतु ऋण

नर्मदापुरम (निप्र)। केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम मे आज दिनांक 06 जून 2026 को सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया से सुश्री प्रीति सारस्वत जनरल मैनेजर मुंबई ब्रांच, मुकेश चौधरी रीजनल मैनेजर नर्मदापुरम ब्रांच चंद्रमोहन एलडीएम जिला नर्मदापुरम एवं प्रकाश वासनिक ब्रांच मैनेजर शाखा नर्मदापुरम, नीतेश मिश्रा ब्रांच मैनेजर रसूलिया नर्मदापुरम एवं सुश्री रश्मि गुप्ता द्वारा उपस्थित होकर केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम मे परिरूद्ध महिला बंदियों द्वारा संचालित देश का प्रथम महिला स्वसहायता समूह के लिए म0प्र0 पशु पालन एवं डेयरी विभाग द्वारा आचार्य श्री विधासागर योजना के अंतर्गत 05 दुधारू संकर गाय पालन हेतु 03.82 लाख राशि का चेक वितरण किया गया है। महिला स्वसहायता समूह द्वारा बैंक मे 01 लाख राशि की एफ. डीआर. करायी गयी है।

वृहद वृक्षारोपण अभियान हेतु ग्राम कहरिया में अधिकारियों ने किया स्थल निरीक्षण

पर्यावरण संरक्षण एवं सुनियोजित विकास को लेकर बनाई जाएगी विस्तृत कार्ययोजना

नर्मदापुरम (निप्र)। तहसील सिवनी मालवा अंतर्गत ग्राम कहरिया में स्थित शासकीय राजस्व भूमि, जिसे नगर पालिका को आवंटित किया गया है, पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्य कराए जाने के उद्देश्य से शनिवार को संयुक्त रूप से मौका निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विजय राय, नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन, नगर पालिका सीएमओ अमर सिंह सहित राजस्व विभाग एवं नगर पालिका की संयुक्त टीम उपस्थित रही। अधिकारियों द्वारा आवंटित भूमि का बारीकी से निरीक्षण कर स्थल की भौगोलिक स्थिति, उपलब्ध क्षेत्र एवं वृक्षारोपण की संभावनाओं का अवलोकन किया गया। इस दौरान भूमि पर किए जाने वाले विकासात्मक कार्यों एवं सघन वृक्षारोपण अभियान हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार किए जाने को लेकर चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विशेष जोर देते हुए आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रकृति के संतुलन एवं आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। अधिकारियों ने निर्णय लिया कि जन-जागरूकता को बढ़ावा देते हुए शीघ्र ही संपूर्ण भूमि पर योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य प्रारंभ किए जाएंगे तथा युद्ध स्तर पर सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा।

डिप्टी कलेक्टर डॉ. बबीता राठौर द्वारा रेडक्रॉस सोसायटी की दुकानों का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। डिप्टी कलेक्टर नर्मदापुरम डॉ. बबीता राठौर द्वारा जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम परिसर के बाहर रेडक्रॉस सोसायटी के अधीन मासिक किराये पर आवंटित दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर ने दुकानदारों से चर्चा कर उन्हें निर्धारित समय पर नियमित रूप से किराया जमा करने तथा जिन दुकानों का किराया बकाया है, उसे शीघ्र जमा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी की आय जनहित एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में उपयोग की जाती है, अतः सभी आवंटियों द्वारा समयबद्ध रूप से किराया जमा किया जाना आवश्यक है। इस दौरान लगभग 1 लाख 35 हजार रुपए की राशि जमा की गई। निरीक्षण के दौरान दुकानों की स्थिति एवं किराया अभिलेखों का भी अवलोकन किया गया तथा संबंधित को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. सुनीता कामले, आरएमओ डॉ. गजेन्द्र यादव एवं अस्पताल सहायक प्रबंधक श्रीमती रोशनी प्रजापति, रेडक्रॉस सोसायटी से शेरसिंह बडकुर उपस्थित रहीं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

जीवन रक्षा की दिशा में मध्यप्रदेश की अभिनव पहल

24/7

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा

जहां हर पल कीमती हो यह सेवा देती है जीवन की उम्मीद

टोल फ्री नं. 18004199006

सुविधा किसके लिए है

- **आपात स्थिति विशेषकर**
  सड़क एवं औद्योगिक दुर्घटना में गंभीर घायल
- **बीमारी की गंभीर अवस्था**
  नवजात शिशु, बच्चे, अंग प्रत्यारोपण, हृदय संबंधी आदि मामले

एयर एम्बुलेंस में सुविधाएं

- क्रिटिकल चिकित्सा राहत एवं रात्रि परिवहन हेतु अनुभवी एवं दक्ष पायलेट
- उच्च प्रशिक्षित चिकित्सक एवं पैरामेडिकल टीम
- वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, कार्डियक केस में लाइफ सेविंग सपोर्ट

शुल्क

- आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर तथा प्रदेश के बाहर शासकीय एवं आयुष्मान सम्बद्ध अस्पताल में निःशुल्क परिवहन
- गैर आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर शासकीय अस्पताल में निःशुल्क लेकिन प्रदेश के बाहर अनुबंधित दर पर परिवहन, विशेष परिस्थियों में निःशुल्क सुविधा
- अनुबंधित दर - ₹ 1,94,500 प्रति घंटा एवं ₹ 1,78,900 प्रति घंटा

निर्बाध सेवा और बैकअप व्यवस्था

- आपातकालीन सेवा के लिए 24×7 एयरक्राफ्ट तैनात
- तकनीकी खराबी या मेंटेनेंस की स्थिति में तुरंत बैकअप

अनुमति कैसे मिलेगी

- चीफ मेडिकल ऑफिसर/शासकीय चिकित्सालय के डीन द्वारा अनुमोदन
- जिला कलेक्टर/कमिश्नर हेल्थ/संचालनालय, चिकित्सा शिक्षा द्वारा स्वीकृति

मरीज को कहाँ ले जाया जा सकेगा

- राज्य के भीतर अथवा राज्य के बाहर सुपर स्पेशलिटी/उच्च चिकित्सा संस्थानों में

बीमा सुरक्षा

- थर्ड पार्टी कवर
- हितग्राही बीमा
- मेडिकल सुरक्षा प्रावधान

15 सितंबर 2025 को इंदौर में एक ट्रक हादसे में मेरी बेटी संस्कृति बेहद गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे प्राथमिक इलाज के बाद मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से इंदौर से एयरलिफ्ट कर मुंबई भेजा गया, जहां संस्कृति का सफल इलाज हुआ। आयुष्मान कार्ड धारक न होने के बावजूद भी हमारी बेटी का निःशुल्क इलाज संभव हुआ।

\- श्री अशोक वर्मा, पिता

अब तक

140 लोगों ने लिया लाभ

50 से अधिक सफल इमरजेंसी ऑपरेशन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11028/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026